



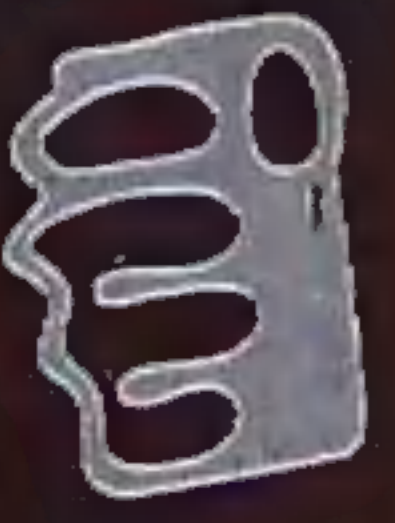
হিন্দি বাংলা

স্পিকিং কোর্স



হিন্দি বাংলা

স্পিকিং কোর্স



Unite 2

হিন্দী-বাংলা শিফি বোর্ড

হিন্দী বাংলা স্বরবর্ণ

হিন্দী বাংলা স্বরবর্ণ

Munnaraj904@gmail.com

अ आ इ ई
अ आ इ ई
ऊ औ
ए ऐ
अं अः

0105010592

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় (ॐ) এবং (ॐ)-এর ব্যবহার

প্রকাশক :

মোঃ মুক্তার হোসেন খান

সানন্দা প্রকাশনী

মোবাইল : ০১১১১৫৬২৬৬৪

৩৬, বাংলাবাজার, ঢাকা

প্রকাশক কর্তৃক সর্বস্বত্ত্ব সংরক্ষিত

প্রথম প্রকাশ

জানুয়ারি ২০১৪ ইং

মূল্য ৫০.০০ টাকা মাত্র

বর্ণ বিন্যাস

রাফি কম্পিউটার

১১ বাংলাবাজার, ঢাকা-১১০০

মুদ্রণ : বাকো অফসেট প্রেস

১৮, হুমিকেন্স দাস রোড, একরামপুর, সূত্রাপুর, ঢাকা-১১০০

বাঁধাই : লতিফ বুক বাইন্ডিং হাউস

৩৫নং পাতলা খান লেন, ঢাকা।

হিন্দী বংগলা ব্যঞ্জনবর্ণ

হিন্দী বাংলা ব্যঞ্জনবর্ণ

ক	খ	গ	ঘ	ঙ
ক	খ	গ	ঘ	ঙ
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ
ত	থ	দ	ধ	ন
ত	থ	দ	ধ	ন

প	ফ	ব	ভ	ম
প	ফ	ব	ভ	ম
য	র	ল	ব	শ
য	র	ল	ব	শ
ষ	স	হ	ডে	ঢে
ষ	স	হ	ডে	ঢে
০	০	ঃ	ক্ষ	জ্ঞ
১০	১০	ঃ	ক্ষ	জ্ঞ

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় 'য়'-এর ব্যবহার নাই।

অতিরিক্ত বর্ণ (অতিরিক্ত বর্ণ)

ঋ ঌ ড ঢ ণ
ক্ষ ঞ ণ ণ ণ

মনে রাখবে—উপরোক্ত বর্ণগুলিকে হিন্দীতে অতিরিক্ত বর্ণ বলা হয়।

স্বরবর্ণ की परीक्षा (সংস্কৃত ওয়ার্ডের পরীক্ষা)

उ ए आ ओ इ ई अ
ऐ ऎ औ अ ऐ अं अः
ऋ ॠ ऌ ॡ ऎ अं अः
ऋ ॠ ऌ ॡ ऎ अं अः

व्यंजनवर्ण की परीक्षा (ওয়ার্ডের পরীক্ষা)

ज त क ध द ण
झ ट क ध द ण

ज व झ र भ फ घ
ज ब झ र भ फ घ
ष थ ड ढ ख ग प
ष थ ड ढ ख ग प
ड ढ ण ल अ श छ
ड ढ ण ल ञ श छ
ट म व ड स च प
ट म व ड स च प
क्ष १ ० ० ०

स्वरवर्णों का मात्रा (স্বরবর্ণের মাত্রা)

आ = ॐ इ = ॐ ई = ॐ उ = ॐ ऊ = ॐ
आ = ॐ इ = ॐ ई = ॐ उ = ॐ ऊ = ॐ
ऋ = ॐ ए = ॐ ऐ = ॐ ओ = ॐ औ = ॐ
ऋ = ॐ ए = ॐ ऐ = ॐ ओ = ॐ औ = ॐ

হিন্দী-উচ্চারণ

হিন্দীতে অ, ই, উ, ঋ—এই স্বরবর্ণগুলির উচ্চারণ হ্রস্ব।

আ, ঈ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ ইত্যাদির উচ্চারণ দীর্ঘ।

হিন্দীতে অ-এর উচ্চারণ অনেকটা বাংলা 'আ'-এর মতো। যথা—अब (আব) हम (হাম) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ऐ'-এর উচ্চারণ বাংলা ঐ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ 'আয়'-এর মত। যথা—है (হ্যায়), मैं (ম্যায়), कैसा (ক্যায়সা), जैसा (জ্যায়সা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'औ'-কারের উচ্চারণ বাংলা ঔ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ অনেকটা 'অও'-এর মতো। যথা—और (আওর), कौन (কওন), कौवा (কওয়া), पौधा (পওধা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ज'-এর উচ্চারণ বাংলা 'জ'-এর মতো। কিন্তু 'य'-এর উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো। যেমন—यह (ইয়হ), यहाँ (ইয়হাঁ) ইত্যাদি।

হিন্দীতে পেট কাটা 'ब'-এর উচ্চারণ বাংলা 'ব'-মতো, কিন্তু পেট কাটা 'ब' না হলে, অর্থাৎ অন্তস্থ 'ब' হলে তার উচ্চারণ 'উও'-এর মতো। যেমন—वह (উওহ), वहाँ (উওহাঁ)।

হিন্দীতে 'य' যদি শব্দের মধ্যে বা পদের শেষে থাকে, তবে তার উচ্চারণ হবে বাংলা 'য়'-মতো বা য-ফলা (j)-র মতো। যথা—नयन (নয়ন), समय (সময়) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'य' বা (j)-ফলা কোনও অক্ষরের সঙ্গে যুক্ত হলে তার উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো হয়। যেমন—कन्या (কন্ইয়া), गद्य (গদ্ইয়), अभ्यास (অভ্ইয়াস) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'श' ও 'ष' এর উচ্চারণ বাংলা 'শ' ও 'ষ'-এর মতোই, কিন্তু 'ष' যদি 'क'-এর সঙ্গে যুক্ত হয়। তাহলে বাংলা উচ্চারণ 'ক্ষ' কিন্তু হিন্দীতে এর উচ্চারণ হবে 'ক্ষ'-এর মতো হয়। যেমন—परीक्षा (পরীক্ষা)। अपेक्षा (অপেক্ষা) ইত্যাদি।

ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে স্বরমাত্রার যোগ

वारहरवड़ीयाँ

क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छृ	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झृ	झे	जै	जो	जौ	जं	जः

[illegible]

পাঠ-১ (পার্শ্ব-১)

দুই অক্ষরों का मेल (দুই অক্ষরের মিলন)

অব (অব) — এখন।	কব (কব) — কখন।	তব (তব) — তখন।
জব (জব) — যখন।	কহ (কহ) — বল।	রখ (রখ) — রাখ।
মত (মত) — না।	বন (বন) — হও।	ফল (ফল) — ফল।
দস (দস) — দশ।	চল (চল) — চলা।	হল (হল) — লাঙ্গল।
ডর (ডর) — ভয়।	ছত (ছত) — ছাদ।	পর (পর) — উপরে।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

- ফল চখ। (ফল্ চখ্) — ফল খাও। ঘর চল। (ঘর্ চল) — ঘরে চল।
- রস রখ। (রস্ রখ্) — রস রাখো। অব চল। (অব্ চল) — এখন চলো।
- ডর মত কর। (ডর্ মত্ কর্) — ভয় করিও না।
- ছত পর মত চড়। (ছত্ পর্ মত্ চড়্) — ছাদের ওপর চড়িও না।

तीन अक्षरों का मेल (তিন অক্ষরের মিলন)

অলগ (অলগ) — পৃথক	সবক (সবক) — পাঠ	সড়ক (সড়ক) — পথ
ডগর (ডগর) — খাল	কমল (কমল) — পদ্ম	মগর (মগর) — কিলু
বহন (বহন) — বোন	শরম (শরম) — লজ্জা	রবড় (রবড়) — রবার
বড়ই (বড়ই) — ছুতার	খবর (খবর) — সংবাদ	মদদ (মদদ) — সাহায্য

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

- নমক রখ। (নমক্ রখ্) — লবণ রাখ।
- সড়ক পর চল। (সড়ক্ পর্ চল্) — পথের উপর চলো।
- নগর চল। (নগর চল) — শহরে চলো।
- অব ডগর পর চল। (অব্ ডগর্ পর্ চল্) — এখন খালে চল।
- কমল পকড়। (কমল পকড়্) — পদ্মফুল ধরো।
- শরম মত কর। (শরম মত্ কর্) — লজ্জা করিও না।

चार अक्षरों का मेल (চার অক্ষরের মিলন)

- খটমল (খট্ মল্) — ছারপোকা।
- নটখট (নট্ খট্) — দুষ্ট

বরগদ (বরগদ) — বটগাছ	লগভগ (লগ্ ভগ) — প্রায়
বচপন (বচপন) — বাল্যকাল	কটহল (কট্ হল) — কাঁঠাল
পলটন (পল্ টন) — সৈন্য	কসরত (কস্ রত্) — ব্যায়াম
বরতন (বর্ তন) — বাসন	লটপট (লট্ পট্) — তাড়াতাড়ি

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

- লটপট চল। (লট্ পট্ চল্) — তাড়াতাড়ি চলো।
- বরগদ পর মত চড়। (বরগদ্ পর্ মত্ চড়্) — বটগাছে চড়িও না।
- নটখট মত বন। (নট্ খট্ মত্ বন্) — দুষ্ট হইও না।
- খটমল মত পকড়। (খট্ মল্ মত্ পকড়্) — ছারপোকা ধরিও না।
- কটহল চখ। (কট্ হল্ চখ্) — কাঁঠাল খাও।
- পলটন বন। (পল্ টন বন্) — সৈনিক হও।
- শালগম রখ। (শাল্ গম্ রখ্) — শালগম রাখো।
- অব কসরত কর। (অব্ কসরত্ কর্) — এখন ব্যায়াম করো।

মত - ন

পকড় - ধরা

বন - হওয়া

मात्राओं का प्रयोग (मात्राओं का प्रयोग)

आ-का मेल (অ-কার যোগ)

आ = अ + का = का (কা)

নয়া (নয়া) — নতুন	আগ (আগ) — আগুন	ইয়াদ (ইয়াদ) — স্মরণ
কাম (কাম) — কাজ	আপ (আপ) — আপনি	বড়া (বড়া) — বড়
আম (আম) — আম	পকা (পকা) — পাকা	সড়া (সড়া) — পটা
দেবা (দেবা) — ঐশ্বর্য	চাচা (চাচা) — কাকা	নানা (নানা) — দাদামশায়
তলাস (তলাস) — সজ্জান	বছড়া (বছড়া) — বাছুর	
আপকা (আপকা) — আপনার	অনার (অনার) — ডালিয়া	
কপড়া (কপড়া) — কাপড়	কলাই (কলাই) — কব্জী	
জবড়া (জবড়া) — চোয়ান	খরহা (খরহা) — খরগোশ	
চমড়া (চমড়া) — চামড়া	সামান (সামান) — জিনিসপত্র	
তাকতবর (তাকতবর) — শক্তিম্যান	নমকহারাম (নমকহারাম) — অকৃতজ্ঞ	
টমটম (টমটম) — টমটম	নাসপাতি (নাসপাতি) — ন্যাসপাতি	

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

নয়া কপড়া পহন। (নয়া কপড়া পহন।) — নতুন কাপড় পরো।
 আপ कहाँ था? (আগ कहाँ था?) — আপনি কোথায় ছিলেন?
 आग मत जाल। (आग मत जान।) — আগুন ছেলো না।
 सामान ला। (सामान ला।) — জিনিসপত্র আন।
 दवा खा। (दवा खा।) — ঔষধ খাও।
 चाचा आया। (चाचा आया।) — চাচা এসেছেন।
 नाना आया था। (नाना आया था।) — দাদামশাই এসেছিলেন।
 लड़का चला गया। (लड़का चला गया।) — ছেলেটি চলে গেছে।
 सवाल मत कर। (सवाल मत कर।) — প্রশ্ন করিও না।
 सवाल का जवाब दिया। (सवाल का जवाब दिया।) — প্রশ্নের উত্তর দিয়েছে।

इ-का मेल (इ-कार योग)

इ = कि + इ = कि (कि)

सिर (सिर) - মাথা	फिर फिर - আবার	दिल (दिल) - হৃদয়
हारिज (हारिज) - উপস্থিত	चिड़िया (चिड़िया) - পাখী	
किताब (किताब) - বই	तकिया (तकिया) - বালিশ	
सितार (सितार) - সেতার	सितारा (सितारा) - নক্ষত্র	
दिमाग (दिमाग) - যন্ত্রিষ্ক	किसान (किसान) - কৃষক	
किधर (किधर) - কোনদিকে	नाविक (नाविक) - মাঝি	
गिरगिट (गिरगिट) - গিরগিটি	सरिता (सरिता) - নদী	
मालकिन (मालकिन) - হুতুপত্নী	जाबालिग (जाबालिग) - নাচালিকা	
तबियत (तबियत) - শরীর	नारियल (नारियल) - নারকেল	

बक्य रचना (बक्य रचना)

तालाब छिछला था। (तालाब छिछला था।) — প্রকুরটি গভীর ছিল।
 दिल लगाकर पढ़। (दिल लगाकर पढ़।) — মন দিয়ে পড়ো।
 लिफाफा ला। (लिफाफा ला।) — খাফ আনো।
 नारियल खा। (नारियल खा।) — নারকেল খাও।

किसान जाता था। (किसान जाता था।) — কৃষকটি যাচ্ছিল।
 बछड़ा वहाँ था। (बछड़ा वहाँ था।) — বাছুরটি ওখানে ছিল।
 छतपर चिड़िया था। (छतपर चिड़िया था।) — ছাদের ওপর পাখী ছিল।
 आवाज मत कर। (आवाज मत कर।) — শব্দ করিও না।
 मिता कमरा साफ कर। (मिता कमरा साफ कर।) — মিটা ঘর পরিষ্কার কর।

ई-का मेल (इ-कार योग)

दीप (दीप) - বাতি	खीरा (खीरा) - শশা	माली (माली) - মালী
हाथी (हाथी) - হাতী	पानी (पानी) - জল	तीस (तीस) - ত্রিশ
सभी (सभी) - সমস্ত	कभी (कभी) - কখনও	दही (दही) - দৈ
विमारी (विमारी) - অসুস্থ		जवानी (जवानी) - যুবতী
गीदड़ (गीदड़) - শকুন		वकरी (वकरी) - ছাগী
पपीहा (पपीहा) - পাণিরা		तितली (तितली) - প্রজাপতি
पपीता (पपीता) - পেঁপে		कड़ाही (कड़ाही) - কড়াই
जानकी (जानकी) - জীতা		छिपकली (छिपकली) - টিকটিকি
नजदीक (नजदीक) - নিকটে		मजहबी (मजहबी) - ধার্মিক
सुनहली (सुनहली) - সোনালী		गाड़ीवान (गाड़ीवान) - গাড়োয়ান

बक्य रचना (बक्य रचना)

खीरा ला। (खीरा ला।) — শশা আনো।
 लड़की गाना गाती थी। (लड़की गाना गाती थी।) — মেয়েটি গান গাইছিল।
 तितली उड़ती थी। (तितली उड़ती थी।) — প্রজাপতি উড়ছিল।
 बीणा विमारी थी। (बीणा विमारी थी।) — বীণা অসুস্থ ছিল।
 जीवन बाबु मजहबी आदमी था। (जीवन बाबु मजहबी आदमी था।) — জীবন বাবু ধার্মিক লোক ছিলেন।
 पपीहा नजदीक उड़ती थी। (पपीहा नजदीक उड़ती थी।) — পাণিরা কাছই উড়ছিল।
 गाड़ीवान गाड़ी चलाता था। (गाड़ीवान गाड़ी चलाता था।) — গাড়োয়ান গাড়ী চালাচ্ছিল।
 रीना पपीता खरिदा था। (रीना पपीता खरिदा था।) — রীনা পেঁপে কিনেছিল।

উ-কা মেল (উ-কার যোগ)

$$उ = उ क + उ = कु$$

कुछ (কুছ)—কিছু	खुद (খুদ)—নিজে	गुफा (গুফা)—গুহা
तुम (তুম)—তুমি	बुरा (বুরা)—মন্দ	दुम् (দুম)—লেজ
बगुला (বগুলা)—বক	गुलाब (গুলাব)—গোলাপ	लुहार (লুহার)—কামার
तुम्हारा (তুম্হারা)—তোমার	सुनार (সুনার)—স্বর্ণকার (স্ন্যাকরা)	
पुराना (পুরানা)—পুরাতন	कुहरा (কুহরা)—কুয়াশা	
सुअर (সুঅর)—শুকর	बाबूल (ওয়াবুল)—বাবলা গাছ	
खुरदस (খুরদস)—ধারালো	थकाहुआ (থকাহুআ)—পরিশ্রান্ত	

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

अब कुछ खा । (অব কুছ খা)।—এখন কিছু খাও।

बुरा काम मत कर । (বুরা কাম মত কর)।—মন্দ কাজ করো না।

लुहार काम करता था । (লুহার কাম করতা থা)।—কামার কাজ করছিল।

सुनार सड़क पर जाता था । (সুনার সড়ক পর জাতা থা)।—স্ন্যাকরা পথের

ওপর দিয়ে যাচ্ছিল।

काल गुरुवार था । (কাল গুরুওয়ার থা)।—কাল বৃহস্পতিবার ছিল।

कमरा बहुत पुराना था । (কমরা বহুত পুরানা থা)।—ঘর খুব পুরাতন ছিল।

गुलाम सामान लाया । (গুলাম সামান লায়া)।—চাকর জিনিসপত্র এনেছে।

सुनार गहना लाया । (সুনার গহনা লায়া)।—স্ন্যাকরা গয়না এনেছে।

ऊ-का मेल (উ-কার যোগ)

$$ऊ = ू क + ऊ = कू$$

चूहा (চুহা)—ইঁদুর	मूसा (মূসা)—নেগটি ইঁদুর জুতা (জুতা)—জুতো
झूला (ঝুলা)—দোলনা	फूफा (ফুফা)—পিসে
मूली (মূলী)—মূলো	सूस (সূস)—শসুর
सूरज (সূরজ)—সূর্য	ऊन (উন)—উল
कपूर (কপূর)—কপূর	रूई (রুই)—তুলো
खजूर (খজুর)—খেজুর	पालतू (পালতু)—পোষা
वातूनी (বাতুনী)—বাচাল	भूखा (ভুখা)—ক্ষুধার্ত
	खजूर (খজুর)—খেজুর
	जरूर (জরুর)—অবশ্য
	तू (তু)—তই

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

भालूवाला भालू नाचाता । (ভালুওয়ানা ভালু নাচাতা)।—ভালুকওয়ানা ভালুক নাচাচ্ছে।

चाकु मत पकड़ । (চাকু মত পকড়)।—চাকু ধরো না।

सूरज निकला । (সূরজ নিকলা)।—সূর্য উঠেছে।

कमरा में चूहा था । (কমরা মেঁ চুহা থা)।—ঘরে ইঁদুর ছিল।

दुकान जरूर जा । (দুকান জরুর জা)।—অবশ্যই দোকানে যাও।

जूता पहन । (জুতা পহন)।—জুতো পর।

किताब पढ़ना शुरू कर । (কিতাব পড়না শুরু কর)।—বই পড়তে আরম্ভ কর।

बातूनी मत बन । (বাতুনী মত বন)।—বাচাল হয়ে না।

भूखा आदमी खड़ा था । (ভুখা আদমী খড়া থা)।—ক্ষুধার্ত লোকটি দাঁড়িয়েছিল।

मीरा कपूर लायी । (মীরা কপূর লায়ী)।—মীরা কপূর এনেছে।

लड़की झूला झूलती थी । (লড়কী ঝুলা ঝুলতী থী)।—মেয়েটি দোলনা দুলছিল।

ऋ-का मेल (ঋ-কার যোগ)

$$ऋ = ृ क + ृ = कृ$$

कृश (কৃশ)—রোগা	तृण (তৃণ)—ঘাস	धृत (ধৃত)—ধরা
कृपा (কৃপা)—দয়া	नृप (নৃপ)—রাজা	मृग (মৃগ)—শরিণ
घृत (ঘৃত)—ঘি	गृह (গৃহ)—ঘর	कृत (কৃত)—করা
कृषक (কৃষক)—চাষী	कृपण (কৃপণ)—কৃপণ	वृषभ (বৃষভ)—বাঁহ
मृदंग (মৃদংগ)—মৃদঙ্গ	पृथक् (পৃথক)—আলাদা	सदृश (সদৃশ)—সমান

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

कृषक हल चलाता था । (কৃষক হল চলাতা থা)।—কৃষক লাঙ্গল করছিল।

हृदय सामान लाया । (হৃদয় সামান লায়া)।—হৃদয় জিনিসপত্র এনেছে।

गरीब पर कृपा कर । (গরীব পর কৃপা কর)।—গরীবের প্রতি দয়া কর।

ऋण मत कर । (ঋণ মত কর)।—ঋণ করো না।

कृपाण पकड़ । (কৃপাণ পকড়)।—তলোয়ার ধরো।

गृह बड़ा था । (গৃহ বড়া থা)।—ঘরটি বড় ছিল।

मृग आया था । (मृग आया था।) — हरिण এসেছিল।
कृपानाथ आया था । (कृपानाथ आया था।) — कृपानाथ এসেছিল।

ए-का मेल (ए-कार योग)

ए = क + ए = के

खेत (खेत) — ज़मी	खेला (खेला) — खेला	चेला (चेला) — शिष्या
मेला (मेला) — मेला	केला (केला) — कला	सेब (सेब) — आपल
पेड़ (पेड़) — गाछ	मेरा (मेरा) — आमार	शेर (शेर) — बाघ
बेटी (बेटी) — मेर्या	छेना (छेना) — छाना	मेज (मेज) — टेबिल
उसके (उसके) — तार	सवेरा (सवेरा) — सकाल	सहेली (सहेली) — साथी
हमेशा (हमेशा) — प्रायः	सफेद (सफेद) — सादा	मेढक (मेढक) — ब्याँ
नेवला (नेवला) — नेडल	भेड़िया (भेड़िया) — थाँकशियाल	
बेवकूफ (बेवकूफ) — बोक	मेहतर (मेहतर) — मेथर	
मेहेरबानी (मेहेरबानी) — कृपा	बेईमान (बेईमान) — विश्वासघातक	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

पेड़ पर अजगर था । (पेड़ पर अजगर था।) — गाछेर उपर अजगर छिल।
बाजार से केला लाया । (बाजार से केला लाया।) — बाजार थेके कला एनेछे।
मेज पर किताब रख । (मेज पर किताब रख।) — टेबिलेर ओपर बई राख।
सवेरा हुआ । (सवेरा हुआ।) — सकाल हयैछे।
हमारा चेला आम लाया । (हमारा चेला आम लाया।) — आमार शिष्या आम एनेछे।
डेरा पर चल । (डेरा पर चल।) — बसाय चलो।
रेल पर सफर कर । (रेल पर सफर कर।) — रेले ब्रमण कर।
वह हमेशा आता है । (वह हमेशा आता है।) — से प्रायः आसे।

ऐ-का मेल (ऐ-कार योग)

ऐ = क + ऐ = कै

कैसा (क्यासा) — केसन	कैद (क्याद) — जेलखाना	कैची (क्याची) — काँचि
खैरी (खायरी) — खयरी	गैती (गायती) — गाँति	पैर (प्यायर) — पा
जैसा (जायसा) — येसन	जैता (जायसा) — ऐ रकम	

सैर (सायर) — ब्रमण
मैं (म्याँ) — आमी
वैगन (वायगन) — बेगुन
जैतून (जायतून) — छलपाई
पैजनी (प्यायजनी) — नूपूर

बैल (बायल) — बनद
मैना (म्यायना) — मयना
तैरना (तायरना) — साँतार देओया
गवैया (गवैया) — गायक
बेचैन (बेचायन) — अज्जान

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

पैदल चल । (प्यायदल चल।) — ईँटे चलो।
मैदान में सैर कर । (म्यायदान में सायर कर।) — गाँठे बेड़ाओ।
बैल घास खाता है । (बायल घास खाता हय।) — बनदटि घास थाछे।
शैलेन तैरता है । (शायलेन तायरता हय।) — शैलेन साँतार दिछे।
कैची से काटा है । (कायची से काटा हय।) — काँचि दिये केटेछे।
पेड़ पर मैना बैठी थी । (पेड़ पर मयना बायची थी।) — गाछे मयना बसेछिल।
वैगन ला । (वायगन ला।) — बेगुन आनो।
दैनिक अखबार पढ़ो । (दायनिक अखबार पढ़ो।) — दैनिक संवादपत्र पढ़।

ओ-का मेल (ओ-कार योग)

ओ = क + ओ = को

ओर (ओर) — दिक्	लोग (लोग) — लोक	रोज (रोज) — थताह
मोर (मोर) — मयूर	गोह (गोह) — गोसाप	रोटी (रोटी) — कूटि
होंठ (होंठ) — ठोंठ	कोठी (कोठी) — बाड़ी	थोड़ा (थोड़ा) — अल
धोबी (धोबी) — धोपा	घोड़ा (घोड़ा) — घोड़ा	छोटा (छोटा) — छोट
ऊनको (ऊनको) — ताहाके	हमको (हमको) — आमाके	इसको (इसको) — ईहाके
टोकरी (टोकरी) — बुड़ि	पतोहू (पतोहू) — पूबबधू	भोतरा (भोतरा) — भोता
रसोइया (रसोइया) — रौधुनि		कोहार (कोहार) — कुमार
		खोपड़ी (खोपड़ी) — माथार खुनि
		डरपोक (डरपोक) — डीठ

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

धोबी कपड़ा काचता था । (धोबी कपड़ा काचता था।) — धोपा कापड़ काचतेछिल।

वह रोटी खाता है। (उयह् रोटि खाता शाय।) — से रूटि खाछे।
मोर नाच रहा है। (मोर नाच रहा शाय।) — मयूर नाछे।
वहाँ एक लोमड़ी थी। (उयहाँ एक लोमड़ी थी।) — उथाने एकटि र्हेकशियान
हिन।

मोहन का छोटा भाई आया। (मोहन का छोटा भाई आया।) — मोहनर
छोट भाई एसेछे।

चिड़िया बोल रही है। (चिड़िया बोल रही शाय।) — पाथी डाकछे।

एक टोकरी लाओ। (एक् टोकरी लाओ।) — एकटि बुड़ि आनो।

वह कैची भोथरा था। (उयह् कयचि भोथरा था।) — ऐ कौचिटी भौताहिन।

औ-का मेल (उ-कार योग)

औ = ऌ क + औ = कौ।

कौन (कउन) — के	कौआ (कउआ) — काक	और (अउर) — एवं
मौसा (मउसा) — मेसा	पौधा (पउधा) — चारागाह जौ (जउ) — यव	
नौ (नउ) — नय	तौल (तउल) — उजन	मौत (मउत) — मृत्यु
सौत (सउत) — सतीन	नौका (नउका) — नौका	चौक (चउक) — चमकानो
नौकर (नउकर) — चाकर	औरत (अउरत) — स्त्रीलोक	मौसम (मउसम) — ऋतु
खिलौना (खिलउना) — खेलना	दौलत (दउलत) — धन-सम्पद	
बिछौना (बिछउना) — बिछाना	सरौत (सरउता) — जाँति	
तौलिया (तउलिया) — तोयाने	फोलाद (फउलाद) — इस्पात	
हथौड़ी (हथउड़ी) — शतृडि	चौदह (चउदह) — चौद	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

छत पर कौआ बैठा था। (छत पर कउआ ब्याठा था।) — छाने काक बसेहिन।

नौका पर सैर कर। (नउका पर सयार कर।) — नौकार व्रमण कर।

नौकर बजार गया। (नउकर बजार गया।) — चाकर बाजारे गेछे।

मौसी खिलौना लायी। (मउसी खिलउना लायी।) — मासी खेलना एनेछे।

यह बरसात का मौसम है। (इयह् बरसात का मउसम शाय।) — एटि बरसा

रतु।

राम चौदह तारिख को आएगा। (राम चउदह तारिख को आएगा।) — राम
चौदह तारिख आनवे।

कौन दौलतपुर गया? (कउन् दउलतपुर गया?) — के दौलतपुर गेछे?
लुहार हथौड़ी से काम करता था। (लुहार हथउड़ी से काम करता
था।) — कामार शतृडि दिये काज करहिन।

-का मेल (१ [अनुस्वार] - योग)

— क + = कं

कंधा (कन्धा) — चिकनी	नंगा (नंगा) — उलझ
भाजा (भान्जा) — भागने	पंजा (पन्जा) — पांजा
चींटी (चींटी) — पिंपड़े	चोंच (चोंच) — पाथीर ठोंठ
शंख (शन्ख) — शीथ	मांस (मान्स) — मांस
पंखा (पन्खा) — पाखा	गेंडा (गेन्डा) — आख
लंगूर (लन्गूर) — बाँदर	गुंगा (गुन्गा) — बोवा
झींगुर (झीन्गुर) — बिबिपोका	डंक (डन्क) — दंशन
अंगूर (अन्गूर) — आसूर	पंडूक (पन्डूक) — पानकौड़ि
पंखुड़ी (पन्खुड़ी) — पापड़ि	लंगड़ा (लंगड़ा) — खोड़ा
तुरंत (तुरन्त) — ताड़ताड़ि	अंधेरा (अन्धेरा) — अंधकार
शकरकंद (शकरकन्द) — रांठाआलू	डंठल (डन्ठल) — बूँत
	महंगा (महन्गा) — दाम्नी
	सतरंज (सतरन्ज) — दावाथेला

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

लाल रंग का फूल लाओ। (लाल रंग का फूल लाओ।) — लाल रंगेर फूल
आनो।

गेंदा पीला रंग का होता है। (गेन्दा पीला रंग का होता शाय।) — गौंदा
हलदे रंगेर हय।

जंगल में गेंडा था। (जन्गल् में गयान्डा था।) — जमले गणार हिन।

लंगड़ा आदमी खड़ा था। (लंगड़ा आदमी खड़ा था।) — खोड़ा लोकटि
दाँडियेहिन।

दंगा मत कर। (दन्गा मत कर।) — दासा कोर ना।

कल मंगलवार था। (कल् मन्गलवार था।) — काल मंगलवार हिन।

गुलाब का पंखुड़ी लाल था। (गुलाब का पन्खुड़ी लाल था।) — गोलापेर
पापड़ि लाल हिन।

अंधेरा हुआ । (अन्धेरा हुआ) — अन्धकार হয়েছে।

तुरंत सामान रख । (तुरन्त सामान रख) — ताড়ताड़ि जिनिसपत्र রাখো।
हंस सफेद होता है । (हन्स सफेद होता है) — हँस सাদा হয়।

का मेल ([क + विन्] - योग)

—क + ू = कू

आँख (आँख) — चक्षु	कहाँ (कहाँ) — कोथाय	आँधी (आँधी) — बड़
वहाँ (उयहाँ) — सेथाने	मुँह (मुँह) — मुख	भाँह (भाँह) — ज
गेहूँ (गेहूँ) — गम।	जाँघ (जाँघ) — जानू	साँढ़ (साँढ़) — साँढ़
गाँव (गाँव) — ग्राम	ऊँट (ऊँट) — उट	साँफ (साँफ) — मोरी
कुआँ (कुआँ) — कुआ	साँझ (साँझ) — सका	ताँवा (ताँवा) — तामा
कुआरी (कुआरी) — कुमारी	गँवार (गँवार) — गोंयार	
हंसुआ (हंसुआ) — काटारि	भूँकना (भूँकना) — कुरुरे डक	
आठवाँ (आठवाँ) — अष्टम	कौपल (कौपल) — मुकुल	
गेहूँअन् (गेहूँअन्) — गोथरो साप	एँचाताना (एँचाताना) — टेरा	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

आप कहाँ से आया ? (आप कहाँ से आया ?) — आपनि कोथा थेके एलेन ?
वहाँ एक लड़की बैठी थी । (उयहाँ एक लड़की ब्याठी थी) — सेथाने एकटि मेये बसेछिल।

ताँवा एक धातु है । (ताँवा एक धातु है) — तामा एकटि धातु।
चाँद निकला है । (चाँद निकला है) — चाँद उठछे।
झाड़ी में गेहूँअन साँप है । (झाड़ी में गेहूँअन साँप है) — बोपे गोथरो साप आछे।

आठवाँ पाठ पढ़ो । (आठवाँ पाठ पढ़ो) — अष्टम पाठ पढ़।
रामू एक गँवार आदमी है । (रामू एक गँवार आदमी है) — रामू एकटि गोंयार लोक।

दुकान से साँफ लाओ । (दुकान से साँफ लाओ) — दोकान थेके मोरी आनो।

आम का कौपल आया । (आम का कौपल आया) — आमेर मुकुल एसेछे।

का मेल ([विमर्ग] - योग)

: — क + : = कः

छः (छह) — छय	अतः (अतह) — अतएव	पुनः (पुनह) — आवार
तपः (तपह) — तपस्या	नमः (नमह) — प्रणाम	अधः (अधह) — निम्नदिक्
दुःखी (दुःखी) — दुःखी	दुःसह (दुःसह) — दुःसह	
दःशासन (दुःशासन) — दुःशासन	निःसहाय (निःसहाय) — सहायहीन	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

दरवाजे पर दुःखी आदमी खड़ा है । (दरवाजे पर दुःखी आदमी खड़ा है) — दरवाजे पर दुःखी लोकटि दाँड़िये आछे।

एक बात पुनः पुनः मत बोलो । (एक बात पुनः पुनः मत बोलो) — एक बार बार बोलो ना।

दुःख में धीरज रखो । (दुःख में धीरज रखो) — दुःखे धैर्य धरो।

कल छः तारीख है । (कल छह तारीख है) — कल छय तारिख।

दुःशासन कौरव थे । (दुःशासन कौरव थे) — दुःशासन कौरव छिलेन।

योगी तपः करता था । (योगी तपः करता था) — योगी तपस्या करछिलेन।

अतः तुम कल आना । (अतः तुम कल आना) — अतएव तूमि कल आसबे।

पाठ — २ (पाठ — २)

छोटे छोटे वाक्य (छोट छोट वाक्य)

मैं अभी आ रहा हूँ । (मैं अभी आ रहा हूँ) — आमि এখনई आसछि।

जैसी आपकी मर्जी । (जैसी आपकी मर्जी) — येमन आपनार इच्छा।

और कुछ ? (और कुछ ?) — आर किछ ?

नहीं, कभी नहीं । (नहीं, कभी नहीं) — ना, कখনओ नय।

इसे आपनी चीज ही समझें । (इसे आपनी चीज ही समझें) — एके निजेर जिनिस बलेई मने करबेन।

साफ कीजिए, मुझे देर हो गई । (साफ कीजिए, मुझे देर हो गई) — साफ करून, आमार देरी हये गेछे।

अपने काम में मेरी मदद ले लीजिए । (आपने काम में मेरी मदद ले लीजिए।)—आपনার কাজে আমার সাহায্য নিন।

आप थोड़ा खिसकेंगे ? (आप थोड़ा खिसकेंगे?)—आपनि एकट् सरबेन? बड़े दुःख का समाचार । (बड़े दुःख का समाचार।)—बूढ़े दुःखের সংবাদ। फटाफट करिए । (फटाफट करिए।)—ताड़ताड़ि करून।

कितने अपमान की बात है ! (कितने अपमान की बात है।)—कि অপমানের কথা।

उसकी इतनी हिम्मत ? (उसकी इतनी हिम्मत?)—তার এতো সাহস?

भगवान को लाख शुक है । (भगवान को लाख शुक है।)—ভগবানকে লক্ষবার ধন্যবাদ।

इधर आओ । (इधर आओ।)—এদিকে এসো।

उधर देखो । (उधर देखो।)—ওদিকে দেখ।

पास आओ । (पास आओ।)—কাছে এসো।

उपर जाओ । (उपर जाओ।)—ওপরে যাও।

धीरे चलो । (धीरे चलो।)—ধীরে হাঁটো।

तुरंत आओ । (तुरंत आओ।)—তাড়াতাড়ি এসো।

तैयार हो जाओ । (तैयार हो जाओ।)—প্রস্তুত হয়ে পড়ো।

मत भूलो । (मत भूलो।)—ভুলো না।

मुझे मत सताओ । (मुझे मत सताओ।)—আমাকে কষ্ট দিও না।

फिर कोशिश करो । (फिर कोशिश करो।)—আবার চেষ্টা কর।

वह कभी कभी यहाँ आता है । (वह कभी कभी यहाँ आता है।)—সে কখনও কখনও এখানে আসে।

यही किताब मुझे चाहिए । (यही किताब मुझे चाहिए।)—এই দই আমার চাই।

रमला उसी किताब को पढ़ रही है ? (रमला उसी किताब को पढ़ रही है?)—রমলা ঐ বইটিই পড়ে?

नहीं, वह दूसरी किताब है । (नहीं, वह दूसरी किताब है।)—না, ওটা অন্য বই।

राम कल आएगा । (राम कल आएगा।)—রাম কাল আসবে।

तुम कहाँ जाओगे ? (तुम कहाँ जाओगे?)—তুমি কোথায় যাবে? आज मैं हंगली जाऊंगा । (आज मैं हंगली जाऊंगा।)—আজ আমি হুগলী যাবো।

तुम भी हमारा साथ जाओगे ? (तुम भी हमारा साथ जाओगे?)—তুমিও আমার সঙ্গে যাবে?

पतोहू कब आयी ? (पतोहू कब आयी?)—পতোহু কবে এসেছে?

अब अंधेरा हो गयी । (अब अंधेरा हो गयी।)—এখন অন্ধকার হয়ে গেছে।

स्वपन सुबह उठता है । (स्वपन सुबह उठता है।)—স্বপন সকালে ওঠে।

नरेश पिताजी का बात मानता है । (नरेश पिताजी का बात मानता है।)—नरेश पिताजी की बात मानती है । (शीला माताजी की बात मानती है।)—नरेश बाबा की बात मानती है । (शीला माताजी की बात मानती है।)—शीला माता की बात मानती है ।

पाठ — ३ (पाठ — ३)

युक्ताक्षर (युक्ताक्षर)

हिन्दी वर्णमाला के व्यंजनवर्णों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। (१) शेषे दाँड़ि युक्त वर्ण, (२) माथे दाँड़ि युक्त वर्ण एवं (३) दाँड़ि बिहीन। एदेर मध्ये शेषे दाँड़ि युक्त वर्ण हलो—ख, ग, न इत्यादि।

माथे दाँड़ि युक्त वर्ण हलो—क, झ एवं फ ।

दाँड़ि बिहीन वर्ण हलो—छ, ट, व ।

हिन्दी वर्णमाला में शेषे दाँड़ि युक्त वर्ण हलो मोट एकुंशति। येमन—ख, ग, घ, च, ज, झ, ण, ल, थ, न, प, ब, भ, म, य, र, व, श, ष एवं स ।

उपरोक्त शेषे दाँड़ि युक्त वर्ण हलो सप्ते अपर कोनो वर्ण युक्त करते हलो, शेषे दाँड़ि तुले दिये अन्य वर्ण युक्त करते हय। येमन—ख + त = खत, ग + म = गम, च + च = चच, ज + छ = जछ, ण + ङ = ङण इत्यादि।

आबार ये सब व्यंजनवर्णों के माथे दाँड़ि आछे, तादेर संख्या मात्र तिनति; से कथा आगेई बला हयैछे। एर मध्ये 'झ'—एर कोनो युक्ताक्षर हय ना। केवलमात्र फ

এক ফ'-এর যুক্তাকর হয়। আবার ফ'-এর মাত্র একটি, তাও আবার নিজের সঙ্গে যুক্ত হয়। এই দুটি ব্যঞ্জনবর্ণের শেষাংশ বাদ দিয়ে যুক্তাকর করতে হয়। যেমন—
ক + ক = ক্ক = পকা (পকা)—পাকা।

ক + য = ক্য — ক্যা (ক্যায়া)—কি

ক্যারী (কেয়ারী)—আল, সাজানো।

ক + ল = কল—কলেশ (কেশ)—কষ্ট কলাস (ক্লাস)—শ্রেণী।

ক + শ = কশা—নকশা (নকশা)—মানচিত্র।

ক + স = কস—নুকস (নুক্স)—ক্রটি।

ফ + ত = ফত—দফতর (দফতর)—অফিস।

দাঁড়ি বিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ হলো, মোট—নয়টি! যেমন—ড, ঙ, ট, ব, ড, ঢ, দ, হ এবং র।

এর মধ্যে 'র' ব্যঞ্জনবর্ণটি অন্যভাবে যুক্ত হয়ে থাকে। যেমন—'র' (র) যদি প্রথম বর্ণ হয়, তাহলে (') রেফ আকারে পরিবর্তিত হয়ে পরবর্তী বর্ণের মাথায় বসে। যেমন—

র + ক = র্ক—তর্ক (তর্ক)—তর্ক

র + প = প—সর্প (সর্প)—সাপ।

র + ম = র্ম—শর্ম (শর্ম)—লজ্জা।

র + ব = র্ব—সর্ব (সর্ব)—সব

ফর্ক (ফর্ক)—তফাৎ

অর্পণ (অর্পণ)—দান করা।

পর্ব (পর্ব)—পর্ব।

গর্ব (গর্ব)—গর্ব।

আবার 'র' (র) দ্বিতীয় বর্ণ হলে শেষ ব্যঞ্জনবর্ণের নীচে (^) র-ফলা হয়ে যুক্ত হয়। এই র-ফলা দাঁড়িযুক্ত বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—

ক + র = ক্র—চক্র (চক্র)—চাকা

ব + র = ব্র—ব্রত (ব্রত)—ব্রত

আবার এই র-ফলা দাঁড়িহীন ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে তীরের ফলার মতো নিচে যুক্ত হয়। যেমন—

দ + র = দ্র—ভদ্র (ভদ্র)—ভদ্র ট + র = ট্র—ট্রাম (ট্রাম)—ট্রামগাড়ী

আবার 'র' (র) আটটি দাঁড়িবিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ অন্যান্য বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—

ড + ক = ড্ক = অড্ড (অড) ড + খ = ড্খ—মাদ্খ (মাদ্খ)

ড + গ = ড্গ—গড্গ (গড্গ) চ + চ = চ্চ—মচ্চা (মচ্চা)—ভালো

ট + ট = ট্টি—পট্টি (পট্টি)—পটি খট্টি (খট্টি)—টক

ট + ঠ = ট্ঠ—চিট্ঠী (চিট্ঠী)—চিঠি ড + ড = ড্ড—গুড্ডি (গুড্ডি)—ঘুড়ি

ড + ঢ = ড্ঢ—বুড্ঢা (বুড্ঢা)—বুড়া ট + য = ট্য—নাট্য (নাট্য)—নাটক

ঠ + য = ঠ্য—পাঠ্য (পাঠ্য)—পাঠ দ + দ = দ্দ—গদী (গদী)—গদী

দ + ব = দ্ব—দ্বার (দ্বার)—দরজা দ + ধ = দ্ধ—যুদ্ধ (ইয়ুদ্ধ)—যুদ্ধ

ল + য = ল্য—মাল্য (মাল্য)—মানা দ + ভ = দ্ভ—উদ্ব (উদ্ব)—উদ্ব

হ + ম = হ্ম—ব্রাহ্মণ (ব্রাহ্মণ)—ব্রাহ্মণি + ব = হ্ভ—জিহ্বা (জিহ্বা)—জিহ্বা

হ + র = হ্র—হ্রাস (হ্রাস) হ + য = হ্য—সেহ্য (সেহ্য)—লেয়

আবার কতকগুলি যুক্তাকর নিম্নরূপে লেখা হয়। যেমন—

ক + প = ক্প—পক্ষ (পক্ষ)—পক্ষ কক্ষা (কক্ষা)—শ্রেণী

জ + জ = জ্জ—জ্ঞান (গেয়ান)—জ্ঞান বিজ্ঞান (ওয়িগ্যান)—বিজ্ঞান

ত + র = ত্র—পাত্র (পাত্র)—পাত্র চাত্র (চাত্র)—ছাত্র

শ + র = শ্র—শ্রমিক (শ্রমিক)—শ্রমিক শ্রীমান (শ্রীমান)—শ্রীমান

যদি তিনটি ব্যঞ্জনবর্ণ একসঙ্গে যুক্ত হয়। তাদের যুক্তরূপ হয় নিম্ন প্রকার।

যেমন—

ঘ + ড + য = ড্ঘ্য—উল্ঘ্য (উল্ঘ্য)।

জ + জ + ব = জ্জব উজ্জবল (উজ্জবল)

ন + ধ + য = ন্ধ্য—সন্ধ্যা (সন্ধ্যা)—সন্ধ্যা

ন + ত + র = ন্ত্র—যন্ত্র (ইয়ন্ত্র)—যন্ত্র সম্ভ্রম (সম্ভ্রম)—সম্ভ্রম

প + ট + র = প্ট্র—রাষ্ট্র (রাষ্ট্র)—রাষ্ট্র

স + ত + র = স্ত্র—অস্ত্র (অস্ত্র)

পাঠ—৪ (পাঠ—৪)

ব্যবহারিক শব্দাবলী (ব্যবহার্য শব্দসমূহ)

আত্মীয় (আত্মীয়)

পিতা (পিতা)—বাবা

ভাই (ভাই)—ভাই

মাতা (মাতা)—মা

বহন (বহন)—বোন

छोटा भाई (छोटा भाई) — छोटा भाई
छोटी बहन (छोटी बहन) — छोटी बहन

बेटा (बेटा) — बेटा

चाचा (चाचा) — चाचा

दादा (दादा) — दादा

ताऊ (ताऊ) — ताऊ

बड़ा भाई (बड़ा भाई) — बड़ा भाई

बड़ी बहन (बड़ी बहन) — बड़ी बहन

नाना (नाना) — नाना

मौसा (मौसा) — मौसा

फूफा (फूफा) — फूफा

भानजा (भानजा) — भानजा

सासुर (सासुर) — सासुर

साला (साला) — साला

पोता (पोता) — पोता, पोती, पोती

पोती (पोती) — पोती, पोती, पोती

पताहू (पताहू) — पताहू रिस्तेदार (रिस्तेदार) — आशीश-रखन

शरीर के अंग (शरीर के अंग)

देहरे अंग-प्रकाश

बदन (बदन) — शरीर

गरदन (गरदन) — गला

दिमाग (दिमाग) — दिमाग

भौह (भौह) — भौह

नाक (नाक) — नाक

गाल (गाल) — गाल

कन्धा (कन्धा) — कंधा

स्तन (स्तन) — स्तन

बेटी (बेटी) — बेटी

भाची (भाची) — भाची

दादी (दादी) — दादी

ताई (ताई) — ताई

भाभी (भाभी) — भाभी

जीजाजी (जीजाजी) — बड़भौपति

नानी (नानी) — नानी

मौसी (मौसी) — मौसी

फूफा (फूफा) — फूफा

भानजी (भानजी) — भानजी

सास (सास) — सास

दामाद (दामाद) — दामाद

सिर (सिर) — सिर

खोपड़ी (खोपड़ी) — खोपड़ी

आँख (आँख) — आँख

बाल (बाल) — बाल

कान (कान) — कान

होंठ (होंठ) — होंठ

छाती (छाती) — छाती

फेफड़ा (फेफड़ा) — फेफड़ा

हृदय (हृदय) — हृदय

बाँह (बाँह) — बाँह (मध्यम बाँह)

हथेली (हथेली) — हाथ का भाग

कुहनी (कुहनी) — कुहनी

पेट (पेट) — पेट, उदर

जाँघ (जाँघ) — जाँघ

कमर (कमर) — कमर

हड्डी (हड्डी) — हड्डी

नाखून (नाखून) — नाखून

एड़ी (एड़ी) — गोड़ाली

फल (फल) — फल

आम (आम) — आम

आँवला (आँवला) — आम की

केला (केला) — केला

कटहल (कटहल) — कौठाल

खजूर (खजूर) — खजूर

जैतून (जैतून) — जलपत्र

पपीता (पपीता) — पपीता

नींबू (नींबू) — नींबू

संतरा (संतरा) — कमलालंब

सवेदा (सवेदा) — सवेदा

खीरा (खीरा) — खीरा

फूल (फूल) — फूल

गुलाब (गुलाब) — गुलाब

कनेर (कनेर) — कनेर

चम्पा (चम्पा) — चम्पा

कोपल (कोपल) — कोपल, कलि

रोड़ (रोड़) — रोड़

छाव (छाव) — छाव

कलार्द (कलार्द) — कलार्द

कंगली (कंगली) — कंगली

पैर (पैर) — पैर

घुटना (घुटना) — घुटना

नितम्ब (नितम्ब) — नितम्ब

जस (जस) — नाड़ी

पलक (पलक) — पलक

खून (खून) — खून

अंगूर (अंगूर) — अंगूर

अमरुद (अमरुद) — अमरुद

किसमिस (किसमिस) — किसमिस

खरबूजा (खरबूजा) — खरबूजा

जामुन (जामुन) — जामुन

तरबुज (तरबुज) — तरबुज

नासपाती (नासपाती) — नासपाती

सेब (सेब) — सेब

सीताफल (सीताफल) — सीताफल

लीचु (लीचु) — लीचु

गेन्डा (गेन्डा) — गेन्डा

फूल (फूल) — फूल

कमल (कमल) — कमल

जूही (जूही) — जूही

गेन्दा (गेन्दा) — गेन्दा

पंखुड़ी (पंखुड़ी) — पंखुड़ी

गाछ (गाह) — गाह

* पौधा (पुधा) — चारागाह

पत्ता (पत्ता) — पाता

पिपल (पिपल) — अमर गाह

* बाबूल (बाबूल) — बाबूना गाह

* पेड़ (पेड़) — बड़ गाह

डाल (डाल) — शाखा

जड़ (जड़) — शिकड़

— (बरगद) — बटगाह

* ताड़ का पेड़ (ताड़ का पेड़) — तानगाह।

चाय का पौधा (चाय का पौधा) — चा गाह।

नारियल का पेड़ (नारियल का पेड़) — नारिकेल गाह।

जानवर (जानवर) — जानोमार

गाय (गाय) — गाय गुरु

बछेड़ा (बछेड़ा) — बाछुर

भेड़िया (भेड़िया) — भेड़ा, मेव।

* बकरा (बकरा) — ब्राग

कुत्ता (कुत्ता) — कुकुर

बिल्ली (बिल्ली) — बेड़ान

सुंओर (सुंओर) — सुंकर

* हिरण (हिरण) — हरिण

खरहा (खरहा) — खरगोस

सिंघार (सिंघार) — सिंघाल

शेर (शेर) — बाघ

गैन्डा (गैन्डा) — गन्धार

* चूहा (चूहा) — बड़ इंदुर

सरीसृप (सरीसृप) — सरीसृप

केंचुआ (केंचुआ) — केंठा

छिपकिली (छिपकिली) — टिकटिक

कछुआ (कछुआ) — कछप

बिच्छु (बिच्छु) — बिछा

साँप (साँप) — साप

गिरगिट (गिरगिट) — गिरगिट

गोह (गोह) — गोसाप

मेढक (मेढक) — बाघ

* पंछी (पंछी) — पाथी

पंछी, चिड़िया (पंछी, चिड़िया) — पाथी

कोयल (कोयल) — कोकिल

कठफोड़वा (कठफोड़वा) — काठठाकरा

वत्तक (वत्तक) — शंस *

चमगादड़ (चमगादड़) — चमटिका

मोर (मोर) — मयूर

बगुला (बगुला) — बक *

सुग्गा (सुग्गा) — टिया *

पापीछा (पापीछा) — पापिया *

कबुतर (कबुतर) — पायरा

कौआ (कौआ) — काक

वत्तकी (वत्तकी) — हंसी *

* गीध (गीध) — शकून

मोरनी (मोरनी) — मयूरी

मैना (मैना) — मयना

तोता (तोता) — तोता

मछरंगा (मछरंगा) — मछराडा

रंग (रंग) — वर्ण

पीला

सफेद (सफेद) — सादा *

लाल (लाल) — लाल

नारंगी (नारंगी) — नारंगी

भूरा (भूरा) — थकी *

हरा (हरा) — बूढ़ *

बैंगनी (बैंगनी) — बैंगनी *

काला (काला) — कालो

गुलाबी (गुलाबी) — गोलापी

नीला (नीला) — नील

पीला (पीला) — हलदे

सुनहला (सुनहला) — सोनानी *

विविध वर्ण (विविध वर्ण) — विविध वर्ण *

* ख़ाद (ख़ाद) — खाद

मीठा (मीठा) — मिठ

बटमटा (बटमटा) — बल *

* ख़ारा, नमकीन (ख़ारा, नमकीन) — लान्ता

खट्टा (खट्टा) — टक *

तीखा (तीखा) — तीक्ष्ण *

कड़ुया (कड़ुया) — तिष्ठ, कट्ट

कीड़े-मकोड़े (कीड़े-मकोड़े) — कीट-पतंग

चींटी (चींटी) — चिंटा

खटमल (खटमल) — खरापोका

झींगुर (झींगुर) — बिबिपोका

तितली (तितली) — प्रजापति *

मच्छर (मच्छर) — मशा *

तेलचिंटा (तेलचिंटा) — आरुण

जुगनू (जुगनू) — जोनाकी *

मक्खी (मक्खी) — माछि *

मकड़ा (मकड़ा) — मकड़ा
फातिगा (फातिगा) — फातिगा

भौरा (भौरा) — भौरा
मधु मक्खी (मधु-मक्खी) — मधुमक्खी

तरकारियां (तरकारियां) — तरकारियां

आलू (आलू) — आलू
दूध (दूध) — दूध
चूँडा (चूँडा) — चूँडा
भीण्ड (भीण्ड) — भीण्ड
घिया (घिया) — घिया
टमाटर (टमाटर) — टमाटर
फुलगोभी (फुलगोभी) — फुलगोभी
कुंड़ा (कुंड़ा) — कुंड़ा
प्याज (प्याज) — प्याज
अदरक (अदरक) — अदरक
छिम्पी (छिम्पी) — छिम्पी

परवल (परवल) — परवल
मूली (मूली) — मूली
गाजर (गाजर) — गाजर
करंदा (करंदा) — करंदा
पेठा (पेठा) — पेठा
शलगम (शलगम) — शलगम
बंदगोभी (बंदगोभी) — बंदगोभी
सैजन (सैजन) — सैजन
लहसुन (लहसुन) — लहसुन
इमली (इमली) — इमली
शकरकंद (शकरकंद) — शकरकंद

★ नसाला (नसाला) — नसाला

अरहर दाल (अरहर दाल) — अरहर दाल

उड़द दाल (उड़द दाल) — उड़द दाल

मुंग दाल (मुंग दाल) — मुंग दाल

चना (चना) — चना

सरसों (सरसों) — सरसों

सौंफ (सौंफ) — सौंफ

तिल (तिल) — तिल

साबुदाना (साबुदाना) — साबुदाना

नमक (नमक) — नमक

शहद (शहद) — शहद

अजवायन (अजवायन) — अजवायन

कड़ैया तेल (कड़ैया तेल) — कड़ैया तेल

हल्दी (हल्दी) — हल्दी

धनिया (धनिया) — धनिया

मुंगफली (मुंगफली) — मुंगफली

मेथी (मेथी) — मेथी

मिर्च (मिर्च) — मिर्च

इलायची (इलायची) — इलायची

लौंग (लौंग) — लौंग

सुखा मिर्चा (सुखा-मिर्चा) — सुखा मिर्चा

गुड़ (गुड़) — गुड़

खैर (खैर) — खैर

खाने पीने की चीजें (खाने पीने की चीजें)

खानादुग्ध समूह

चावल (चावल) — चावल
रोटी (रोटी) — रोटी
दाल (दाल) — दाल
दही (दही) — दही
मट्ठा (मट्ठा) — मट्ठा
खीर (खीर) — खीर
पुलाव (पुलाव) — पुलाव
मछली (मछली) — मछली
अचार (अचार) — अचार
रसगुल्ला (रसगुल्ला) — रसगुल्ला
भात (भात) — भात
चपाती (चपाती) — चपाती
भाजी (भाजी) — भाजी
चटनी (चटनी) — चटनी
दुध (दुध) — दुध
खिचड़ी (खिचड़ी) — खिचड़ी
गेंहू (गेंहू) — गेंहू
पुरी (पुरी) — पुरी
सब्जी (सब्जी) — सब्जी
मक्खन (मक्खन) — मक्खन
छैना (छैना) — छैना
मांस (मांस) — मांस
मिठाई (मिठाई) — मिठाई
अंडा (अंडा) — अंडा

बीमारियां (बीमारियां) — बीमारियां

बुखार (बुखार) — बुखार
खाँसी (खाँसी) — खाँसी
अजीर्ण (अजीर्ण) — अजीर्ण
बवासीर (बवासीर) — बवासीर
काली खाँसी (काली खाँसी) — काली खाँसी
कृमि (कृमि) — कृमि
खूजली (खूजली) — खूजली
चोट (चोट) — चोट
आपत्मार (आपत्मार) — आपत्मार
लकवा (लकवा) — लकवा
विषमज्वर (विषमज्वर) — विषमज्वर
हैजा (हैजा) — हैजा
मधुमेह (मधुमेह) — मधुमेह
बमन (बमन) — बमन
जुकाम (जुकाम) — जुकाम
छाजन (छाजन) — छाजन
दमा (दमा) — दमा
अतिसार (अतिसार) — अतिसार
फुंसी (फुंसी) — फुंसी
लु-लगाना (लु-लगाना) — लु-लगाना
बमन (बमन) — बमन
चक्र आना (चक्र आना) — चक्र आना
आँख दुखना (आँख दुखना) — आँख दुखना
कोड़ (कोड़) — कोड़
पंचिस (पंचिस) — पंचिस
चेचक (चेचक) — चेचक
केंचुया (केंचुया) — केंचुया
आँख आना (आँख आना) — आँख आना

जाति विषयक (जाति विषयक) — जाति विषयक

हिन्दू (हिन्दू) — हिन्दू

मुसलमान (मुसलमान) — मुसलमान

कुम्हार (कुम्हार) — कुम्हार
ठठेरा (ठठेरा) — कौसारी
जूलाहा (जूलाहा) — ताँती
सैनिक (सैनिक) — सैनिक
धोबी (धोबी) — धोपा
चंडाल (चंडाल) — चांडाल

लोहार (लोहार) — कामार
सुनार (सुनार) — स्वर्णकार
बड़ई (बड़ई) — झुतार
मछुआ (मछुआ) — झेले
नाई (नाई) — नापित
चमार (चमार) — मुँचि
भांगी (भांगी) — मेथर

घर का सामान (घर का सामान) गृहस्थानीर द्रव्य

घर (घर) — घर
इमारत (इमारत) — पाका बाड़ी
दीवार (दीवार) — दीवार
छत (छत) — छत

किला (किला) — दुर्ग
झोंपड़ी (झोंपड़ी) — झुँडेघर
कमरा (कमरा) — कमरा
रसोईखाना (रसोईखाना) — रानाघर
गोदाम (गोदाम) — गुदाम

गुसलखाना (गुसलखाना) — स्नानघर

भंडार (भंडार) — भंडार

टट्टी (टट्टी) — पायखाना

खिड़की (खिड़की) — खानाना

किराये का मकान (किराये का मकान) — भाड़ा का मकान

अंगीठी (अंगीठी) — ऊन

दिया (दिया) — दीप

ढक्कन (ढक्कन) — ढक्कन

झुला (झुला) — झूलना

पजंग (पजंग) — पजंग

तकिया (तकिया) — बानिष

चटाई (चटाई) — चादर

आईना (आईना) — आरना

प्याला (प्याला) — पेयाला

खिलौना (खिलौना) — खेला

आराम कुर्सी (आराम कुर्सी) — आराम कुर्सी

शोने का कमरा (शोने का कमरा) — शयनघर

दरवाजा (दरवाजा) — दरवाजा

बगीचा (बगीचा) — बागान

कड़ाही (कड़ाही) — कड़ाही

चलनी (चलनी) — चालनी

कील (कील) — पेंसिल

खाट (खाट) — खाट

बिछौना (बिछौना) — बिछौना

दरि (दरि) — सतराक्षि

चारपाई (चारपाई) — चाँटिया

कंधी (कंधी) — चिकनी

रस्सी (रस्सी) — नडि

गुड़िया (गुड़िया) — पूतल

कुर्सी (कुर्सी) — चेयर
मेज (मेज) — टेबल
पंख (पंख) — पाखा
झाड़ु (झाड़ु) — झाड़ु, बाँटा
बरतन (बरतन) — बरतन
थाली (थाली) — थाला
कटोरा (कटोरा) — बाँटि
चक्की (चक्की) — चोता
सन्दुक (सन्दुक) — सिन्दुक
गद्दा (गद्दा) — गद्दी
चदर (चदर) — चादर
धोती (धोती) — धूति
परदा (परदा) — परदा
टोपी (टोपी) — टोपी
चुला (चुला) — ऊन
कीचड़ (कीचड़) — काना
पुआल (पुआल) — खड

तसवीर (तसवीर) — छवि
चाभी (चाभी) — चाबि, कुन्धी
कंगी (कंगी) — कङन
तशतरी (तशतरी) — रेकाव
गिलास (गिलास) — गिलास
केतली (केतली) — केटनी
पेटी (पेटी) — ट्रांक
तौलिया (तौलिया) — तोयाने
रजाई (रजाई) — लेप
कामिज (कामिज) — छाया
साड़ी (साड़ी) — शाड़ी
चप्पल (चप्पल) — चप्पल
मच्छरदान (मच्छरदान) — मशारी
बालू (बालू) — बालि
खपरैल (खपरैल) — टालि
कुँआ (कुँआ) — कूआ

शिक्षा विषयक (शिक्षा विषयक) — शिक्षा विषयक

किताब (किताब) — बই
कलम (कलम) — कलम
दवात (दवात) — दोयात
कक्षा (कक्षा) — कक्षा
बंगला (बंगला) — बंगला
अंग्रेजी (अंग्रेजी) — इंग्रजी
इतिहास (इतिहास) — इतिहास
गणित (गणित) — अंक
हस्ताक्षर (हस्ताक्षर) — हस्ताक्षर
शिक्षक (शिक्षक) — शिक्षक

कापी (कापी) — काता
पेंसिल (पेंसिल) — पेनिल
स्याही (स्याही) — कालि
विद्यालय (विद्यालय) — विद्यालय
हिन्दी (हिन्दी) — हिन्दी
विज्ञान (विज्ञान) — विज्ञान
भूगोल (भूगोल) — भूगोल
हिसाब (हिसाब) — हिसाब
छुट्टी (छुट्टी) — छुट्टी
अखबार (अखबार) — संपादनपत्र

यान-वाहन (इशान-वाहन) — यान-वाहन

बैलगाड़ी (ब्यायनगाड़ी) — गरुरगाड़ी। डोली (डोली) — डूनी, पानकी
टंगा (टंगा) — एकागाड़ी साइकल (साइकल) — साइकेल
मोटर (मोटर) — मोटर बस (बस) — बस
रिक्स (रिक्स) — रिक्सा नाव (नाव) — नौका।
रेल (रेल) — रेल जहाज (जहाज) — जहाज
हवाई जहाज (हवाई जहाज) — एरोप्लेन
घोड़ा गाड़ी (घोड़ा गाड़ी) — घोड़ार गाड़ी

महिनों के नाम (महिनों के नाम) — मासेर नाम

वैशाख (वैशाख) — वैशाख जेठ (जेठ) — जैष्ठ
अषाढ़ (अषाढ़) — आषाढ़ श्रावण (श्रावण) — श्रावण
भाद्र (भाद्र) — भाद्र क्वार (क्वार) — आश्विन
कार्तिक (कार्तिक) — कार्तिक अग्रहण (अग्रहण) — अग्रहण
पुष (पुष) — पौष माघ (माघ) — माघ
फाल्गुन (फाल्गुन) — फाल्गुन चैत (चैत) — चैत

अंग्रेजी महिनों के नाम (अंग्रेजी महिनों के नाम) — इंग्रजी मासेर नाम

जानवरी (जानवरी) — जनवरी फरवरी (फरवरी) — फेब्रुवारी
मार्च (मार्च) — मार्च अप्रैल (अप्रैल) — एप्रिल
मई (मई) — मई जून (जून) — जून
जुलाई (जुलाई) — जुलाई अगस्त (अगस्त) — अगस्त
सितम्बर (सितम्बर) — सितम्बर अक्तुबर (अक्तुबर) — अक्टोबर
नवम्बर (नवम्बर) — नवम्बर दिसम्बर (दिसम्बर) — डिसेम्बर

वार का नाम (वार का नाम) — वार का नाम

एतवार (एतवार) — रविवार सोमवार (सोमवार) — सोमवार
मंगलवार (मंगलवार) — मंगलवार बुधवार (बुधवार) — बुधवार
गुरुवार (गुरुवार) — गुरुवार शुक्रवार (शुक्रवार) — शुक्रवार
शनिवार (शनिवार) — शनिवार

पाठ—५ (पाठ—५)

विविध शब्द (विविध शब्द) — विविध शब्द

अन्दर (अन्दर) — भितर बाहर (बाहर) — बाहिर
नजदीक (नजदीक) — निकट दूर (दूर) — दूर
झील (झील) — सरोवर तालाब (तालाब) — पूर
संख्या (संख्या) — संख्या शोर (शोर) — गानमान
याद (याद) — स्मरण दुकान (दुकान) — दोकान
उधार (उधार) — धार, खण आँसू (आँसू) — जोखेर छन
कंबल (कंबल) — कबल बजार (बजार) — बाजार
थालि (थालि) — थाना शादी (शादी) — दिव्य
पत्थर (पत्थर) — पाथर झूट (झूट) — मिथ्या
सच (सच) — सत खिलौना (खिलौना) — खेल्ना
गुड़िया (गुड़िया) — गुड़ल कटोरा (कटोरा) — वाटि
हवा (हवा) — वातास जेब (जेब) — पकेट
बटन (बटन) — बोतम पता (पता) — ठिकाना
बुढ़ा (बुढ़ा) — बुढ़ो बुढ़ी (बुढ़ी) — बुढ़ि
अंधा (अंधा) — अन्ध लंगड़ा (लंगड़ा) — खोड़ा
गुंगा (गुंगा) — बोड़ा बौना (बौना) — बहिर
नाटा (नाटा) — वेण्टे दोस्त (दोस्त) — बन्धु
दुशमन (दुशमन) — शत्रु सुराही (सुराही) — कुंछो
कितान (कितान) — कबक खेतीवारी (खेतीवारी) — कृषि
लम्बाई (लम्बाई) — लम्बा चौड़ाई (चौड़ाई) — चौड़ा
हत्या (हत्या) — हत्या हत्यारा (हत्या) — हत्याकारी
अच्छा (अच्छा) — जानो बुरा (बुरा) — बुरा
ताजा (ताजा) — टाटका सड़ा (सड़ा) — मठा
डाकाईती (डाकाईती) — डाकाति चोरी (चोरी) — चुरि
घोख (घोख) — थतारणा कर लूटमारना (लूटमारना) — लूटपाट
मंडी (मंडी) — बाजार मार्ग (मार्ग) — पथ

রেজগারী (রেজগারী)—রেজকী
 সোনা (সোনা)—সোনা
 তাঁবা (তাঁবা)—তাম্র
 সবালা (সওয়ালা)—প্রশ্ন
 পানী (পানী)—জল
 মৌত (মওত)—মৃত্যু
 শশুরাল (শশুরাল)—শশুরবাড়ি
 আগ (আগ)—আগুন
 দবা (দওয়া)—ঔষধ
 ভরা (ভরা)—ভর্তি
 দাহিনা (দাহিনা)—দক্ষিণ
 আগে (আগে)—সামনে
 প্যাস (প্যাস)—পিপাসা
 ओर (ওর)—দিক
 बहुत (বহুত)—অনেক
 शुखा (শুখা)—শুকনো
 अब (অব)—এখন
 शर्म (শর্ম)—লজ্জা
 आज (আজ)—আজ
 बनना (বননা)—তৈরী হওয়া
 अंधेरा (অন্ধেরা)—অন্ধকার
 दागा (দাগা)—আঘাত করা
 पतला (পতলা)—পাতলা
 दुबला (দুবলা)—রোগা
 आधा (আধা)—অর্ধ
 शायद (শায়দ)—হয়ত
 शहर (শহর)—শহর
 रुपैया (রুপায়্যা)—টাকা

कढ़ाई (কড়াই)—কঠোর
 चाँदी (চাঁদী)—রূপা
 अभरक (অভরক)—অব
 जनाव (জওয়াব)—উত্তর
 जिन्दगी (জিন্দগী)—জীবন
 सरदी (সরদী)—শীত
 मैका (ম্যাকা)—বাপের বাড়ি
 चामड़ा (চমড়া)—চমড়া
 गोली (গোলী)—ট্যাবলেট
 बुँद (বুঁদ)—বিন্দু
 बाँया (বাঁয়া)—বাম
 पिछे (পিছে)—পিছনে
 भूखा (ভূখা)—ক্ষুধার্ত
 पेशा (পেশা)—বৃত্তি
 थोड़ा (থোড়া)—অল্প
 भीगा (ভীগা)—ভিজ়ে
 जब (জব)—যখন
 हररोज (হররোজ)—প্রতিদিন
 कल (কল)—কাল
 बनाना (বনানা)—তৈরী করা
 चाँदनी (চাঁদনী)—জ্যোৎস্না
 सीधा (সীধা)—সোজা
 मोटा (মোটো)—মোটো
 ताकतवर (তাকতওয়ার)—শক্তিমান
 पुरा (পুরা)—সব
 अचानक (অচানক)—ইতঃ
 गाँव (গাঁও)—গ্রাম
 पैसा (পেঁসা)—পয়সা

चौअत्री (চওঅত্রী)—সিকি
 नये पैसे (নয়ে প্যাসে)—নয়া পয়সা
 बीमारी (বীমারী)—রোগ
 नौकर (নওকর)—চাকর
 गोद (গোদ)—কোন
 बाद में (বাদ মে)—বাদে
 मर्द (মর্দ)—পুরুষ
 डर (ডর)—ভয়
 बादल (বাদল)—মেঘ
 जंगल (জঙ্গল)—বন, অরণ্য
 ऊम्र (উম্র)—বয়স
 दुल्हा (দুলহা)—বর
 पूँछ (পুঁছ)—লেজ
 खूबसूरत (খুবসূরত)—সুন্দর
 दर्द (দর্দ)—ব্যথা, বেদনা
 धीरे से (ধীরে সে)—আস্তে
 मालिक (মালিক)—প্রভু

अठनी (অঠনী)—আধুলী
 पप्पड़ (পপ্পড়)—পাঁপড়
 अचार (অচার)—আচার
 नौकरानी (নওকরানী)—চাকরানী
 काँख (কাঁখ)—কাঁখ
 बारे में (বারে মে)—সম্পর্কে
 जेनाना (জেনানা)—স্ত্রীলোক
 मछली (মছলী)—মাছ
 लड़ाई (লড়াই)—যুদ্ধ
 खेत (খেত)—জমি
 लकीर (লকীর)—রেখা
 दुल्हिन (দুলহিন)—কনে
 पसीना (পসীনা)—স্বাস
 इजाजत (ইজাজত)—আদেশ
 जल्दी (জল্দী)—তাড়াতাড়ি
 औरत (অওরত)—নারী
 मालकिन (মালকিন)—প্রভুপত্নী

डाक और तार (ডাক অওর তার)—ডাক এবং তার
 डाकखाना (ডাকখানা)—পোস্টঅফিস
 पोस्ट मास्टर (পোস্ট মাস্টার)—পোস্ট মাস্টার
 चिट्ठी (চিট্ঠী)—চিঠি
 तार (তার)—টেলিগ্রাম
 डाकिया (ডাকিয়া)—ডাক পিওন
 लेफाफा (লেখাফা)—খাম
 किराया (কিরায়্যা)—ভাড়া
 महशुल (মহশুল)—মাশুল

पाठ—६ (পাঠ—৬)

व्याकरण (ব্যাাকরণ)

যে কোনও ভাষা ভালোভাবে শিক্ষা করতে হলে, সেই ভাষায় ব্যাকরণ

সম্পর্কে জ্ঞান অর্জন করতে হয়, তা না হলে ভাষা শুদ্ধভাবে বলা ও লেখা যায় না। বাংলা ভাষার মতই হিন্দী ভাষার ব্যাকরণ। তবে কিছু কিছু ক্ষেত্রে এর তফাৎ দেখা যায়। এগুলি ভাবনভাবে জেনে রাখা দরকার। যেমন—সর্বনাম।

বাংলা ভাষায় সর্বনামের নিজ ভেদ হয় না। স্থানিঙ্গ ও পুংলিঙ্গ একই প্রকার থাকে। হিন্দীতে কিন্তু তা নয়। হিন্দী ভাষায় সর্বনাম পুংলিঙ্গ এবং স্থানিঙ্গ ভেদে ভিন্নরূপে ব্যবহৃত হয়।

(ক) হিন্দীতে প্রথমা বিভক্তিতে কর্তার সঙ্গে 'নে' (নে)-প্রত্যয় যুক্ত হয়। যেমন—আগি খেয়েছি—মੈনে খায়া' (মায়নে খায়া)। তুমি খেয়েছ—তুমনে খায়া' (তুমনে খায়া) ইত্যাদি।

(খ) বাংলায় 'এর' বিভক্তির স্থলে হিন্দীতে 'কা' (কা), 'কে' (কে), 'কী' (কী) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—বিশালের ঘর—বিশাল কা ঘর (ওরিশাল কা ঘর)। আপনার ঘর—আপকে ঘর (আপকে ঘর), শীলার ঘর—শীলা কী ঘর (শীলা কী ঘর)। গ্রামের ছেলে—গাঁব কা লড়কা (গাঁও কা লড়কা)। ঘরের বন্দন—ঘর কা বৈল (ঘর কা ব্যারন)।

(গ) কোনও কিছুর ওপরে বুঝতে হিন্দীতে 'পর' যুক্ত হয়। যেমন—টেবিলের ওপর—মেজ পর (মেজ পর)। বিছানার ওপর—বিস্তরা পর (বিস্তরা পর)। ছাদের ওপর—চুত পর (ছত পর)। চেয়ারের ওপর—কুর্সী পর (কুর্সী পর)। গাছের ওপর—পেড় পর (পেড় পর)। ইত্যাদি।

(ঘ) বাংলায় 'এ' 'তে' বিভক্তি স্থলে হিন্দীতে 'মैं' (মৈ) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—পথে—সড়ক মৈ (সড়ক মৈ)। ঘরে—ঘর মৈ (ঘর মৈ)। দোকানে—দুকান মৈ (দুকান মৈ)।

(ঙ) বাংলায় 'ইহতে' স্থলে হিন্দীতে 'সে' (সে) যুক্ত হয়। যেমন—গাছ থেকে—পেড় সে (পেড় সে)। তোমার নিকট ইহতে—তুম সে (তুম সে)। তাহার নিকট ইহতে—উস সে (উস সে)।

সর্বনাম (সর্বনাম)

বাংলার মত হিন্দীতে দু'টি বচন আছে। যেমন—একবচন (একবচন) ও বহুবচন (ওয়বচন)। একটি সংখ্যা বোঝাতে একবচন এবং একের অধিক বোঝাতে, বহুবচন ব্যবহৃত হয়। হিন্দীতে সর্বনামগুলি একবচন ও বহুবচনে

ভাবে পরিবর্তন হয়, নিচে তার আলোচনা করা হলো।

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়বচন)
মैं (মায়)—আমি	हम (হম)—আমরা
तु (তু)—তুই	तु सब (তু সব)—তোরা
तुम (তুম)—তুমি	तुमलाग (তুমলোগ)—তোমরা
आप (আপ)—আপনি	आपलोग (আপলোগ)—আপনারা
वह (ওয়হ)—সে	वे (ওয়ে)—তারা, তাঁরা, তিনি
मेरा (মেরা)—আমার	हमारा (হমারা)—আমাদের
तेरा (তেরা)—তোর	तु सबका (তু সবকা)—তোদের
तुम्हारा (তুমহারা)—তোমার	तुमलोगों का (তুমলোগোঁ কা)—তোমাদের
आपका (আপকা)—আপনার	आपलोगों का (আপলোগোঁ কা)—আপনাদের
उसका (উসকা)—তাহার	उनका (উন্কা)—তাঁহার, তাঁদের

उनलोगों का (উন্লোগোঁ কা)—উহাদের, তাহাদের

मुझको, मुझे (মুঝকো, মুঝে)—আমাকে

तुझको, तुझे (তুঝকো, তুঝে)—তোকে

तुमको, तुम्हें (তুমকো, তুমহে)—তোমাকে

आपको (আপকো)—আপনাকে

उनको, उन्हें (উন্কো, উন্হে)—তাঁহাকে

उसको, उसे (উসকো, উসে)—তাহাকে

हमको, हमें (হমকো, হমৈ)—আমাদিগকে

तु सबको (তু সবকো)—তোমাদের সকলকে

तुमलोगोंको (তুমলোগোঁকো)—তোমাদিগকে

आपलोगोंको (আপলোগোঁকো)—আপনাদিগকে

उनको, उन्हें (উন্কো, উন্হে)—তাঁহাদিগকে (গৌরবার্থে)

उसको, उन्हें (উসকো, উসহে)—তাহাদের

ক্রিয়া (ক্রিয়া)

বাংলা ভাষার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়া আছে এবং ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। বাংলা ভাষায় মচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয় না।

হিন্দীতে বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয়।

বাংলার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। যেমন—(১) বর্তমান (ওয়রতমান), (২) অতীত (অতীত) এবং ভবিষ্যৎ (ভওয়িসইয়)। হিন্দীতে এই তিনটি কাল, লিঙ্গ, বচন অনুসারে ক্রিয়ার ব্যবহার হয়। এ সম্পর্কে বেশ ভালভাবে জ্ঞান লাভ করতে হলে সর্বনামগুলি সম্পর্কে ভালভাবে জানতে হবে। এজন্য প্রথমে সর্বনামগুলির আলোচনা করা হয়েছে।

বর্তমান কাল (ওয়রতমান কাল)

হিন্দীতে বর্তমান কালে—হুঁ, হৈ, হৈঁ, হো বিভক্তি যুক্ত করা হয়। নিচে তার উদাহরণ দেওয়া হলো। যেমন—

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়হবচন)
মैं हूँ (ম্যায় হুঁ)—আমি হই।	हम हैं (হম হ্যায়)—আমরা হই।
तु है (তু হ্যায়)—তুই হস।	तुम हो (তুম হো)—তুমি হও।
आप हैं (আপ হ্যায়)—আপনি হন।	आपलोग हैं (আপলোগ হ্যায়)—আপনারা হন।
वह है (ওয়হ হ্যায়)—সে হয়।	वे हैं (ওয়ে হ্যায়)—তারা বা তিনি হন।

অতীত কাল (অতীত কাল)

হিন্দীতে অতীত কালে লিঙ্গ ও বচন অনুসারে—থা' থে' থী' থো' বিভক্তি যুক্ত হয়।

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়হবচন)
मैं था (ম্যায় থা)—আমি ছিলাম।	हम थे (হম থে)—আমরা ছিলাম।
तु था (তু থা)—তুই ছিলি।	तुम थे (তুম থে)—তুমি ছিলে।
आप थे (আপ থে)—আপনি ছিলেন।	आपलोग थे (আপলোগ থে)—আপনারা ছিলেন।
वह था (ওয়হ থা)—সে ছিল।	वे थे (ওয়ে থে)—তাহারা ছিল।
	তিনি ছিলেন। তাঁরা ছিলেন।

ভবিষ্যৎ কাল (ভওয়িসইত কাল)

হিন্দীতে ভবিষ্যৎ কালে লিঙ্গ ও বচন অনুযায়ী—হুঁগা, হোগা, হোগে,

হোগে বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়বচন)
मैं हुँगा। (ম্যায় হুঁগা।)—আমি হইব।	हम होंगे। (হম হোংগে।)—আমরা হইব।
तु होगा। (তু হোংগা।)—তুই হবি।	तुम होंगे। (তুম হোংগে।)—তুমি হবে।
आप होंगे। (আপ হোংগে।)—আপনি হবেন।	आपलोग होंगे। (আপলোগ হোংগে।)—আপনারা হবেন।
वह होगा। (ওয়হ হোংগা।)—সে হবে।	वे होंगे। (ওয়ে হোংগে।)—তিনি হবেন।

এতদ্বারা সর্বনামের সঙ্গে বর্তমান, অতীত ও ভবিষ্যৎ কালের বিভক্তিগুলি লিঙ্গ ও বচন অনুসারে দেখানো হলো। এখানে কয়েকটি ক্রিয়া লিঙ্গ ও বচন অনুসারে কিভাবে পরিবর্তিত হয়, তার আলোচনা করা হচ্ছে।

জানা (জানা)—যাওয়া—বর্তমান কাল (একবচন—পুংলিঙ্গ)

मैं जाता हूँ। (ম্যায় জাতা হুঁ।)—আমি যাচ্ছি।
तुम जाता है। (তুম জাতা হ্যায়।)—তুমি যাচ্ছ।
तु जाता है। (তু জাতা হ্যায়।)—তুই যাচ্ছিস।
वह जाता है। (ওয়হ জাতা হ্যায়।)—সে যাচ্ছে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हम जाते हैं। (হম জাতে হ্যায়।)—আমরা যাই।
तुम जाते हो। (তুম জাতে হো।)—তুমি যাও।
वे जाते हैं। (ওয়ে জাতে হ্যায়।)—তারা যান বা তারা যায়।

এবার উপরোক্ত 'জানা' ক্রিয়াটি স্ত্রীলিঙ্গ 'জাতা' হলে 'জাতী' হবে।

যেমন—

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন—मैं जाती हूँ। (ম্যায় জাতী হুঁ।)—আমি যাই ইত্যাদি।
স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—हम जाती हैं। (হম জাতী হ্যায়।)—আমরা যাই।

খানা (খানা)—খাওয়া

(বর্তমান কাল—পুংলিঙ্গ)

যদি প্রথমা বিভক্তিতে 'নে' প্রত্যয় যুক্ত হয়, তাহলে বাক্যগুলি নিম্নরূপ হবে।

যেমন—

মैंने खाया । (মায়নে খায়া।)—আমি খেলাম।

তुने खाया । (তুনে খায়া।)—তুমি খেলি।

उत्तने खाया । (উত্নে খায়া।)—সে খেল।

हमने खाया । (হম্নে খায়া।)—আমরা খেলাম।

तुमने खाया । (তুম্নে খায়া।)—তোমরা খেলো।

उन्होंने खाया । (উনহোঁনে খায়া।)—তারা বা তারা খেলেন।

वि. ह.—'हिनिस खाया' हने खाया' (খায়ী)—হবে।

অতীত কাল

हिन्दि अतीतकाल दो प्रकार के होते हैं—
 १. एकवचन (एकवचन—पुंलिंग)
 २. बहुवचन (बहुवचन—पुंलिंग)

हम खाया था । (হম খায়া থা।)—আমি খেয়েছি।

तुने खाया था । (তুনে খায়া থা।)—তুমি খেয়েছিস।

उत्तने खाया था । (উত্নে খায়া থা।)—সে খেয়েছে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हमने खाया थे । (হম্নে খায়ে থে।)—আমরা খেয়েছি।

तुमने खाया थे । (তুম্নে খায়ে থে।)—তোমরা খেয়েছ।

उन्होंने खाया थे । (উনহোঁনে খায়ে থে।)—তারা খেয়েছিলেন।

हिन्दि एकवचन—खाया थी (খায়ী থী) এবং बहुवचन—खाया थीं (খায়ী থী) হবে।

ভবিষ্যৎ কাল

(একবচন—পুংলিঙ্গ)

मैं खाऊंगा । (মায় খাউংগা।)—আমি খাব।

तुम खाओगे । (তুম খায়েগে।)—তুমি খাবে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हम खाएंगे । (হম খায়েঙ্গে।)—আমরা খাব।

वे खाएंगे । (ওয়ে খায়েঙ্গে।)—তারা খাবে।

সূচী

पाठ—७ (পাঠ—৭)

पद परिचय (পদ পরিচয়)

बिमल के पास कलम है । (ওয়িমল কে পাস কলম হায়।)—বিমলের কাছে কলম আছে।

मिता अच्छी लड़की है । (মিতা অচ্চী লড়কী হায়।)—মিতা ভালো মেয়ে।

अनिल और सुनील जल्दी आता है । (অনিল অওর সুনীল জল্দী আতা হায়।)—অনিল ও সুনীল তাড়াতাড়ি আসছে।

आह, मुझे जाने दो । (আহ, মুঝে জানে দো।)—আঃ, আমাকে যেতে দাও।

উপরে চারটি বাক্য দেওয়া হয়েছে। এর মধ্যে প্রথম বাক্যটিতে—বিমল কোনও ব্যক্তির নাম এবং কলম একটি বস্তুর নাম বোঝাচ্ছে।

দ্বিতীয় বাক্যে—अच्छा শব্দটি স্ত্রীলিঙ্গে अच्छী হয়েছে এবং লড়কী শব্দের গুণ বোঝাচ্ছে।

তৃতীয় বাক্যে—जल्दी শব্দটি 'আতা' ক্রিয়ার অবস্থা বোঝাচ্ছে। 'और' শব্দটি অনিল ও সুনীল দুটি বাক্যকে যুক্ত করেছে। 'जाती है' শব্দটি দ্বারা যাওয়া বোঝাচ্ছে।

চতুর্থ বাক্যে—आह শব্দটি দ্বারা মনের আবেগ বা দুঃখ প্রকাশ করছে। বাক্যে যে ব্যবহৃত প্রত্যেক শব্দকে 'पद' कहते हैं (ওয়াক্‌ইয় মে ওয়হত প্রত্‌ইয়েক শব্দ কো পদ কহতে হায়)—বাক্যে ব্যবহৃত প্রত্যেক শব্দকে পদ বলে।

हिन्दि एवं বাংলা উভয় ভাষাতেই पद পাঁচ প্রকার। যেমন—

१. संज्ञा (संज्ञा)—विशेष्य। २. विशेषण (विशेषण)—विशेषण।
३. सर्वनाम (सर्वनाम)—सर्वनाम। ४. क्रिया (क्रिया)—क्रिया।
५. अव्यय (अव्यय)—अव्यय।

সংজ্ঞা (সংজ্ঞা)—বিশেষ্য

বাংলার মতোই হিন্দীতে (संज्ञा) विशेष্য পাঁচ প্রকার। যেমন—(১) ব্যক্তিবাচক (ওয়ক্তিওয়াচক), (২) জাতিবাচক (জাতিওয়াচক)—জাতিবাচক। (৩) সমুহবাচক (সমূহওয়াচক), (৪) দ্রব্যবাচক (দ্রব্যওয়াচক)। (৫) ভাববাচক (ভাবওয়াচক)।

১. ব্যক্তিবাচক (ওয়ক্তিওয়াচক)—যে বিশেষ্য দ্বারা কোনও ব্যক্তি, বস্তু বা স্থানের নাম বুঝায়। তাকে বলা হয় ব্যক্তিবাচক সংজ্ঞা (ওয়ক্তিওয়াচক সংজ্ঞা)। যেমন—হরেন (হরেন), এক ব্যক্তির নাম। গঙ্গা (গঙ্গা)—একটি নদীর নাম। কিতাব (কিতাব) পুস্তক। একটি বস্তুর নাম। কলকতা (কলকতা)—কলিকাতা, একটি স্থানের নাম। সোনা (সোনা) একটি ধাতুর নাম ইত্যাদি।

২. জাতিবাচক (জাতিওয়াচক)—এই বিশেষ্য বা সংজ্ঞা দ্বারা এক জাতীয় সব প্রাণী বা বস্তুকে বোঝায়। যেমন—মনুষ্য (মনুষ্যইয়)—মানুষ। শের (শের)—বাঘ। কুত্তা (কুত্তা)—কুকুর। পৌধা (পৌধা)—চারাগাছ।

৩. সমূহবাচক (সমূহওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা এক জাতীয় বহু বস্তুকে একটির মতো বোঝায়।

৪. দ্রব্যবাচক (দ্রব্যওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা যে কোনও দ্রব্যকে বোঝায়।

৫. ভাববাচক (ভাবওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা হর্ষ, বিবাদ, ভয় প্রভৃতি মনের ভাব বোঝায়।

বিশেষণ (ওয়িশেষণ)—বিশেষণ

যে পদের দ্বারা বিশেষ্য পদের দোষ, গুণ, অবস্থা, পরিমাণ বা সংখ্যা বোঝায়, তাকে বিশেষণ বলে।

সংজ্ঞা বা সর্বনাম কী বিশেষতা বতানেবালে শব্দों को विशेषण कहते हैं (সংজ্ঞা ইয়া সর্বনাম কী ওয়িশেষতা, বতানেওয়ালা শব্দों को ওয়িশেষণ্ড কহতে হ্যায়)—সংজ্ঞা বা সর্বনামের বিশেষতা বোঝানোর শব্দগুলিকে বিশেষণ বলে। যেমন—

অচ্ছা লড়কা । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে।

ঘুরা লড়কা । (ঘুরা লড়কা।)—খারাপ ছেলে।

অচ্ছী লড়কী । (অচ্ছী লড়কী।)—ভালো মেয়ে।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে 'অচ্ছা' এবং 'ঘুরা' শব্দ দুটির দ্বারা লড়কা বিশেষ্য পদের দোষ গুণ বোঝা যাচ্ছে। অতএব 'অচ্ছা' ও 'ঘুরা'

আবার দেখা যাচ্ছে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ লিঙ্গভেদে পরিবর্তন হয় না। আবার অ-কারান্ত বিশেষণ না হলে বিশেষ্যের লিঙ্গ, বচন অনুসারে বিশেষণের পরিবর্তন হয়। যেমন—

অচ্ছা লড়কা । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে। (একবচন)

অচ্ছা লড়কী । (অচ্ছা লড়কী।)—ভালো মেয়ে। (একবচন)

অচ্চে লড়কে । (অচ্চে লড়কে।)—ভাল ছেলেগুলি। (বহুবচন)

অচ্ছী লড়কিয়াঁ । (অচ্ছী লড়কিয়াঁ।)—ভাল মেয়েগুলি। (বহুবচন)

বাংলা ভাষায় যেমন অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। সেই রকম হিন্দীতেও অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। যেমন—

যহ কমরা ছোট্টা হৈ । (ইয়হ কমরা ছোট্টা হ্যায়।)—এই ঘরটি ছোট।

বহ গুলাব লাল হৈ । (ওয়হ গুলাব লাল হ্যায়।)—এ গোলাপটি লাল।

উপরের বাক্য দুটিতে দেখা যায় 'কমরা' বিশেষ্য পদের পরে 'ছোট্টা' বিশেষণ এবং 'গুলাব' বিশেষ্য পদের শেষে 'লাল' বিশেষণ বসেছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচন হলে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ এ-কারান্ত হয় এবং স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই ঈ-কারান্ত হয়। যেমন—

ছোট্টা লড়কা । (ছোট্টা লড়কা।)—ছোট ছেলে। (পুং-একবচন)

বড় লড়কে । (বড় লড়কে।)—বড় ছেলেরা। (পুং-বহুবচন)

বড়ী লড়কী । (বড়ী লড়কী।)—বড় মেয়ে। (স্ত্রী-একবচন)

বড়ী লড়কিয়াঁ । (বড়ী লড়কিয়াঁ।)—বড় মেয়েরা। (স্ত্রী-বহুবচন)

সর্বনাম সর্বওয়নাম—সর্বনাম

সংজ্ঞা বা বিশেষ্য পদের পরিবর্তে যে পদ ব্যবহার করা হয়, তাকে সর্বনাম (সর্বওয়নাম)—সর্বনাম পদ বলে। সর্বনামের উদাহরণ আগেই দেওয়া হয়েছে। এখানেও কয়েকটি উদাহরণ দেওয়া হলো—মैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वो, ये, क्या, कौन ইত্যাদি।

হিন্দীতে সর্বনাম ছয় প্রকার। যেমন—পুরুষবাচক (পুরুষওয়াচক), নিশ্চয়বাচক (নিশ্চয়ওয়াচক), অনিশ্চয়বাচক (অনিশ্চয়ওয়াচক), প্রশ্নবাচক (প্রশ্নওয়াচক), সম্বন্ধবাচক (সম্বন্ধওয়াচক) ও নিজবাচক (নিজওয়াচক)।

উপরোক্ত ছয়টি সর্বনামের মধ্যে পুরুষবাচক সর্বনামটিই বেশী ব্যবহৃত হয়।
এজন্য এখানে পুরুষবাচক সর্বনামের আলোচনা করা হলো।

পুরুষবাচক সর্বনাম (পুরুষবাচক সর্বনাম)—তিন ভাগে বিভক্ত।
যেমন—(১) উত্তমপুরুষ (উত্তম-পুরুষ) (২) মধ্যমপুরুষ (মধ্যম-পুরুষ) ও
(৩) অন্যপুরুষ (অন্য-পুরুষ)। *munna 404@gmail.com*

উত্তমপুরুষ (উত্তম-পুরুষ)—একবচন
মैं (মায়)—আমি। मेरी (মেরী)—আমার। मुझे (মুঝে)—আমাকে।

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

मैं निर्धारित समय पर नहीं आ सका। (মায় নির্ধারিত সময় পর
নহী আ সকা।)—আমি ঠিক সময়ে আসতে পারিনি।

मेरी ओर से क्षमा माँग लीजिए। (মেরী ওর্ সে ছমা মাঁগ
লিজিএ।)—আমার দিক থেকে ক্ষমা চেয়ে নেবেন।

मुझे बड़ा खेद है। (মুঝে বড়া খেদ হায়।)—আমি অত্যন্ত দুঃখিত।
मैं अभी आ रहा हूँ। (মায় অভী আ রহা হুঁ।)—আমি এখনি আসছি।

মধ্যমপুরুষ (মধ্যম-পুরুষ)—একবচন

तुम: (তুম)—তুমি। तू (তু)—তুই।
तुम्हें (তুমহে)—তোমাকে। तुझे (তুঝে)—তোকে।

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

तुम उसके घर गये थे ? (তুম উসকে ঘর গয়ে থে?)—তুমি ওদের
বাড়ি গিয়েছিলে?

तुम हिन्दी पढ़ते हो ? (তুম হিন্দী পঢ়তে হো?)—তুমি হিন্দী পড়ছো?

तु कब गया ? (তু কব্ গয়া?)—তুই কবে গিয়েছিলি।

तुम कहाँ जाते हो ? (তুম কহাঁ জাতে হো?)—তুমি কোথায় যাচ্ছো?

অন্যপুরুষ (অন্য-পুরুষ)—একবচন

वह (ওয়হ)—সে। यह (ইয়হ)—এই, ইহা।

कौन (কওন)—কে! কোন। जो (জো)—যে।

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

वह रोज अंग्रेजी पढ़ता है। (ওয়হ রোজ অংগ্রেজী পঢ়তা হায়।)—সে
প্রতিদিন ইংরাজী পড়ে।

यह मेरा किताब है। (ইয়হ্ মেরা কিতাব্ হায়।)—এটি আমার বই।
कौन आया था ? (কওন আয়া থা?)—কে এসেছিল?

উত্তমপুরুষ (উত্তম-পুরুষ) मुन्ना 404

বহুবচন—हम कल गया था। (হম্ কল্ গয়া থা।)—আমরা কাল
গিয়েছিলাম।

মধ্যমপুরুষ (মধ্যম-পুরুষ)

बहबचन—तुमलोग कब गया था ? (তুমলোগ্ কব্ গয়া থা?)—তোমরা
কবে গিয়েছিলে?

অন্যপুরুষ (অন্য-পুরুষ)

बहबचन—वे हररोज यहाँ आता हैं। (ওয়ে হররোজ ইয়হাঁ আতা
হাঁয়।)—তারা প্রতিদিন এখানে আসে।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যায়, পুংলিঙ্গে অ-কারান্ত ক্রিয়ার পরিবর্তন হয়
না। কিন্তু স্ত্রীলিঙ্গে উত্তমপুরুষ, মধ্যমপুরুষ ও অন্যপুরুষে ক্রিয়ার পরিবর্তন
হয়—যেমন—मैं गयी थी (মায় গয়ী থী)—আমি গিয়াছিলাম। तुम गयी
थी (তুম্ গয়ী থী)—তুমি গিয়েছিলে। वह गयी थी (ওয়হ্ গয়ী থী)—সে
গিয়াছিল।

ক্রিয়া (ক্রিয়া)—ক্রিয়া Verb

বাংলার মতো হিন্দীতে ক্রিয়াপদ আছে। সে কথা আগেই আলোচনা করা
হয়েছে। ক্রিয়া তিনভাগে বিভক্ত অর্থাৎ তিনটি কালে বিভক্ত। যেমন বর্তমান
(ওয়বর্তমান), অতীত (অতীত), ভবিষ্যত (ভওয়িস্ ইয়ত)।

তাহাড়াও ক্রিয়া দুটি শ্রেণীতে বিভক্ত। যেমন—সকর্মক (সকর্মক), এবং
অকর্মক (অকর্মক)।

১. সকর্মক ক্রিয়া (সকর্মক ক্রিয়া)—যে ক্রিয়ার কর্ম থাকে, তাকে বলা
হয় সকর্মক ক্রিয়া। যেমন—

राम किताब पढ़ता है । (राम किताब पढ़ता शाय।) राम बड़े पड़े।
मीरा तास खेलती है । (मीरा ताम खेलती शाय।) मीरा ताम
खेलछे।

पिताजी भात खाता है । (पिताजी भात खाता शाय।) बाबा भात
खाछेन।

मैं रोटी खाती हूँ । (मैं रोटी खाती शाय।) मा रूटी खाछेन।

मैं काम करता हूँ । (मैं काम करता हूँ।) आगि काज करछि।

वे काम करते हैं । (वे काम करते शाय।) तारा काज करछे।

उपরের वाक्यগুলিতে—पढ़ता, खेलती, खाता, खाती, करता, करते
प्रभृति क्रियाগুলির कर्म शून्य—किताब, तास, भात, रोटी, काम प्रभृति
कर्म वर्तमान। अतएव एগুলि सकर्मक क्रिया।

जिस क्रिया में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं । (जिस
क्रिया में कर्म होता शाय उसे सकर्मक क्रिया कहते शाय।) ये क्रियार कर्म
आहे ताके सकर्मक क्रिया बले।

अकर्मक क्रिया (अकर्मक क्रिया)—जिस क्रिया में कर्म नहीं है उसे
अकर्मक क्रिया कहते हैं । (जिस क्रिया में कर्म नहीं शाय उसे अकर्मक
क्रिया कहते शाय।) ये क्रियार कर्म नाई, ताके अकर्मक क्रिया बले।
येमन—

वह खाता है । (वह खाता शाय।) से थाय।

हम करता है । (हम करता शाय।) आमरा करछि।

उपরের प्रथम वाक्य बना हयछे—खाता है अर्थात् खाछे, किन्तु कि
खाछे ता बना हय नि। एजन्य वाक्य अकर्मक।

आमर द्वितीय वाक्य बना हयछे करता है (करता शाय)—करछे, किन्तु
कि करछे, ता बना हयनि। एजन्य क्रिया अकर्मक।

आमर कर्मर समाप्ति वा असमाप्ति भेदे क्रिया दू भागे विभज्य। येमन—

१. समापिका क्रिया (समापिका क्रिया) एवं २. असमापिका क्रिया
(असमापिका क्रिया)।

१. समापिका क्रिया (समापिका क्रिया)—ये क्रियार साहाय्य कर्मर शेष
बोका शाय, ताके समापिका क्रिया बले।

हिन्दी व्याकरणे बना हयछे—जिस क्रिया से क्रिया की पूर्णता प्रकट
होती है, उसे समापिका क्रिया कहते हैं । (जिस क्रिया से क्रिया की
पूर्णता प्रकट होती शाय, उसे समापिका क्रिया कहते शाय।) येमन—

अनिल खाया (अनिल खाया)—अनिल खेयछे।

सुनील गया (सुनील गया)—सुनील गियाछे।

उपरोक्त वाक्य दू टिठे 'खाया' एवं 'गया' एई दू टि क्रियापदर द्वारा
अनिलर खाया कर्मि ओ सुनीलर खाया कर्मि समाप्ति हयछे बोका शाय।
अतएव एई दू टि वाक्य समापिका। एई रकम ये सब काज शेष हयछे बोका
शाय, ताके समापिका क्रिया बले।

२. असमापिका क्रिया (असमापिका क्रिया)—जिस क्रिया से क्रिया
की अपूर्णता प्रकट होती है, उसे असमापिका क्रिया कहते हैं ।
(जिस क्रिया से क्रिया की अपूर्णता प्रकट होती शाय, उसे असमापिका क्रिया
कहते शाय।) ये क्रियार द्वारा कर्मर अपूर्णता प्रकाश पाय, ताके असमापिका
क्रिया बना हय। येमन—

चाय पीकर आओ । (चाय पीकर आओ।) चां थेये एसो।

भात खाकर जाओ । (भात खाकर जाओ।) भात थेये याओ।

उपরের वाक्य दू टिठे पीकर (पान करे), खाकर (खाकर)—थेये, क्रिया
दू टिठे द्वारा कर्मर समाप्ति बुवाछे ना। सेजन्य एई वाक्य दू टिके असमापिका
क्रिया (असमापिका क्रिया) बले।

हिन्दीते क्रियार सस्त्रे 'ना' योग करा हय। येमन—जाना (जाना)—याओया,
खाना (खाना)—खाओया, उठना (उठना)—उठा, बैठना (बैठना)—बसा
प्रभृति।

क्रियाएं (क्रियाएँ)—क्रियावाचक शब्दसमूह

बैठना (बैठना)—बसा	ऊठना (ऊठना)—उठा
खाना (खाना)—खाओया	आना (आना)—आसा
जाना (जाना)—याओया	शुलापा (शुलापा)—शोयानो
उतारना (उतारना)—नामाओ	उड़ना (उड़ना)—उड़ा
उठाना (उठाना)—जागानो	चराना (चराना)—चिरानो

पढ़ना (पढ़ना)—पढ़ा	उठाना (उठाना)—उठाने
पीटना (पीटना)—मारा	कहना (कहना)—बना
करना (करना)—करा	पीना (पीना)—पान करा
कमाना (कमाना)—उपाई करना	काँपना (काँपना)—काँपा
नहाना (नहाना)—स्नान करा	घुमना (घुमना)—घोरा
गिनना (गिनना)—गणना करा	जीना (जीना)—बाँटा
ढोना (ढोना)—बहन करा	कुदना (कुदना)—लायाले
गाना (गाना)—गान करा	जानना (जानना)—जाना
तोड़ना (तोड़ना)—भाँगा	चाहना (चाहना)—चाँदना
तैरना (तैरना)—साँतार देওয়া छिपना (छिपना)—लुकाँनो	खाँचना (खाँचना)—टाना
ढकना (ढकना)—ढाका देওয়া	पकड़ना (पकड़ना)—पकड़ा
खेलना (खेलना)—खेला	दौड़ना (दौड़ना)—दौड़ानो
डुबना (डुबना)—डोबा	निकलना (निकलना)—बाहिर हওয়া
खेलना (खेलना)—खेला	सैरना (सैरना)—बेड़ा
टूटना (टूटना)—भाँगा	सैरना (सैरना)—बेड़ा
नफरत करना (नफरत करना)—घृणा करा	
घबड़ाना (घबड़ाना)—उद्बिग्न हওয়া	
धोना (धोना)—धोওয়া	खोना (खोना)—हारानो
तौलना (तौलना)—उज़न करा	चुराना (चुराना)—चुरि करा
ढुँढ़ना (ढुँढ़ना)—खोजा	चलना (चलना)—चाওয়া
ठहरना (ठहरना)—थामा	छापना (छापना)—छापा
जलना (जलना)—झुला	छोड़ना (छोड़ना)—छाड़ा
जाँचना (जाँचना)—चाँदना	देना (देना)—देওয়া
पालना (पालना)—पोषा	पहुँचना (पहुँचना)—पहँचानो
पढ़ना (पढ़ना)—पढ़ा	सीना (सीना)—सेनाई करा
पहनना (पहनना)—परा	सोना (सोना)—शोওয়া
पकाना (पकाना)—राना करा	लेटना (लेटना)—लोওয়া
पीसना (पीसना)—पेसाई करा	फुकारना (फुकारना)—डका
पहचानना (पहचानना)—पहचाना	फँकना (फँकना)—झुँड़े फेंका

मानना (मानना)—श्रद्धा करा	सीखना (सीखना)—शेखा
समझाना (समझाना)—बोधा	सहना (सहना)—सह करा
बचना (बचना)—बाँटा	बेचना (बेचना)—बिक्री करा
बोलना (बोलना)—बना	सकना (सकना)—पारा
सजाना (सजाना)—साझानो	बुलाना (बुलाना)—डका
लौटना (लौटना)—फिरे आसा	भागना (भागना)—पानानो
लेना (लेना)—लेওয়া	भूलना (भूलना)—भूल करा
लूटना (लूटना)—लूठ करा	भेजना (भेजना)—पाठानो
मरना (मरना)—मरा	मिलना (मिलना)—देखा हওয়া
लिखना (लिखना)—लेखा	रहना (रहना)—थाका

पाठ—८ (पाठ—८)

क्रिया का काल (क्रिया का काल) क्रियार काल

क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं। (क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं।) क्रियार के रूप के साहाय्य क्रिया समय के ज्ञान है, तাকে क्रियार काल बना है।

बांग्ला भाषार मते हिन्दीतेও क्रियार तिनटि काल। येमन—१। वर्तमान काल (उद्यत्मान काल), २। भूत काल (भूत काल)—अतीत काल (हिन्दीते अतीत कालके भूत काल वना है।) ३। भविष्यत काल (तुग्यिषईत काल)।

१. वर्तमान काल (उद्यत्मान काल)—वर्तमान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है। (उद्यत्मान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है।) वर्तमान कालके क्रियाते क्रियार काजटि এখনও শেষ হয়नि बोधा याछे। तাকে बना है वर्तमान काल। येमन—

স্বপন খাটা হৈ । (সপ্ন খাটা হায়।) — স্বপন খাচ্ছে।
 তপন পড়তা হৈ । (তপন পড়তা হায়।) — তপন পড়ছে।
 মীনা সৈর করতী হৈ । (মীনা সায়র করতী হায়।) — মীনা বেড়াচ্ছে।
 উপরোক্ত তিনটি বাক্যে যথাক্রমে—খাটা হৈ, পড়তা হৈ, সৈর করতী হৈ । ক্রিয়াপদগুলির দ্বারা খাচ্ছে, পড়ছে, বেড়াচ্ছে বোঝা যাচ্ছে, কিন্তু খাওয়া, পড়া ও বেড়ানো এখনও চলছে, শেষ হয়নি। সেজন্য এগুলি বর্তমান কাল।
 হিন্দীতে বর্তমান কাল তিনভাগে বিভক্ত। যেমন—১. সামান্য বর্তমান, (সামান্যইয় ওয়র্তমান) — সামান্য বর্তমান। ২. তাৎকালিক যা অপূর্ণ বর্তমান (তাৎকালিক ইয়া অপূর্ণ ওয়র্তমান) — ঘটমান বর্তমান এবং ৩. পূর্ণ বর্তমান (পূর্ণ ওয়র্তমান) — পূর্ণ বর্তমান কাল।

১. সামান্য বর্তমান (সামান্যইয় ওয়র্তমান) — সামান্য বর্তমান কাল—সামান্য বর্তমান কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ বর্তমান কাল में हुआ है, यह बोध होता है । (সামান্যইয় ওয়র্তমান কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ ওয়র্তমান কাল में हुआ है, यह बोध होता है।) — সামান্য বর্তমান কালের সাহায্যে কাজটি বর্তমান কালে শুরু হয়েছে এই ধারণা জন্মে। আবার যে বর্তমান কালের ক্রিয়াপদের সাহায্যে বর্তমান কালের সামান্যতা পরিনামিত হয়, তাকে সামান্য বর্তমান কাল বলে।

উদাহরণ (উদাহরণ)

মैं खाता हूँ । (মায় খাটা হুঁ।) — আমি খাচ্ছি।
 हम खाते हैं । (হম খাটে হায়।) — আমরা খাচ্ছি।
 तू खाता है । (তু খাটা হায়।) — তুই খাচ্ছিস।
 तुम खाता है । (তুম খাটা হায়।) — তুমি খাচ্ছ।
 वह खाता है । (ওয়হ খাটা হায়।) — সে খাচ্ছে।

উপরের বাক্যগুলি সামান্য বর্তমান কাল। এই বাক্যগুলিতে ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে পুণিলিঙ্গ 'তা', বহুবচনে 'তে' এবং 'হায়' প্রত্যয় একবচন ও 'হায়' বহুবচনে যুক্ত হয়েছে।

খ্রীলিঙ্গ ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' যুক্ত হয়, তায় কিং একই প্রকার থাকে। যেমন—

मैं खाती हूँ । (মায় খাতী হুঁ।) — আমি খাচ্ছি।
 हम खाती हैं । (হম খাতী হায়।) — আমরা খাচ্ছি।
 तू खाती है । (তু খাতী হায়।) — তুই খাচ্ছিস।
 तुम खाती हो । (তুম খাতী হো।) — তুমি খাচ্ছ।
 वह खाती है । (ওয়হ খাতী হায়।) — সে খাচ্ছে।
 वे खाती हैं । (ওয়ে খাতী হায়।) — তারা (তাহারা) খাচ্ছে।
 উপরের বাক্যগুলি লক্ষ্য করলেই দেখা যাবে, ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' এবং 'হুঁ', 'হায়' ও 'হায়' যুক্ত হয়েছে।

২. তাৎকালিক বর্তমান কাল (তাৎকালিক ওয়র্তমান কাল)।

ঘটমান বর্তমান কাল

ক্রিয়া কে जिस रूप से उसका वर्तमान काल में जारी रहना प्रकट हो, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहते हैं । (ক্রিয়া কে জিস রূপ সে উন্সকা ওয়র্তমান কাল में जारी रहना प्रकट हो, उसे तात्कालिक ওয়র্তমান কাল कहते हैं।) — ক্রিয়ার যে রূপের দ্বারা বর্তমান কালে যখন কোনও কাজ চলছে বা শেষ হচ্ছে বোঝায়, তাকে তাৎকালিক বর্তমান কাল বোলে।

मैं जा रहा हूँ । (মায় জা রহা হুঁ।) — আমি চলিতেছি।
 कमल जा रहा है । (কমন জা রহা হায়।) — কমন যাচ্ছে।
 तूम जा रहे हो । (তুম জা রহে হো।) — তুমি যাচ্ছ।
 हम जा रहे हैं । (হম জা রহে হায়।) — আমরা যাচ্ছি।
 वह जा रहा है । (ওয়হ জা রহা হায়।) — সে যাচ্ছে।
 वे जा रहे हैं । (ওয়ে জা রহে হায়।) — তারা (তাহারা) যাচ্ছে।
 तू जा रहा है । (তু জা রহা হায়।) — তুই যাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে, চলা ক্রিয়াটি আরম্ভ হয়েছে বটে, কিন্তু এখনও শেষ হয়নি। কাজটি চলছে। এই রকম ক্রিয়াকে ঘটমান বর্তমান বা তাৎকালিক বর্তমান (তাৎকালিক ওয়র্তমান) বলা হয়।

তাৎকালিক বর্তমানে ক্রিয়ার সঙ্গে পুণিলিঙ্গ একবচনে 'রহা' (রহা) পুণিলিঙ্গ বহুবচনে 'রহে' (রহে) যুক্ত হয় এবং খ্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই 'রহী' (রহী) যুক্ত

হয়। সাহায্যকারী ক্রিয়া বচন অনুসারে ব্যবহৃত হয়। যেমন—

একবচনে—হুঁ (ই), হৈ (হায়), হৌ (হো) ব্যবহৃত হয়।

বহুবচনে—হैं (হাঁয়) ব্যবহৃত হয়।

৩. পূর্ণ বর্তমান কাল (পূর্ণ ওয়রতমান কাল)

পূর্ণ বর্তমান কাল

কোনও কাজ পূর্বে আরম্ভ হয়েছে এবং সবেমাত্র শেষ হয়েছে, তখনো তার বেশ চলছে, ক্রিয়ার এই কালকে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে। যেমন—

মैं खाता हूँ । (মায় খাতা হুঁ।)—আমি খাচ্ছি।

हम खाते हैं । (হম খাতে হাঁয়।)—আমরা খাচ্ছি।

वह खाता है । (ওয়হ খাতা হায়।)—সে খাচ্ছে।

वै खाते हैं । (ওয়ে খাতে হাঁয়।)—তারা (তাহারা) খাচ্ছে।

तु खाता है । (তু খাতা হায়।)—তুমি খাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলি দ্বারা বোঝা যায় খাওয়া কাজটি সবেমাত্র শেষ হয়েছে বটে, তার বেশ এখনও চলছে। এজন্য একে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে।

ভূত কাল (ভূত কাল)—অতীত কাল

ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতে হুয় সময় কা বোধ होता है ।

(ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতে হুয় সময় কা বোধ होता है।)—ভূত কালের ক্রিয়ার দ্বারা কাজটি শেষ হয়েছে বোঝায়। অর্থাৎ যে ক্রিয়া আগেই শেষ হয়ে গেছে বোঝায়, তাকে ক্রিয়ার ভূত কাল বলে। যেমন—

राम कल चला गया । (রাম কল চলা গয়া।)—রাম কাল চলে গেছে।

भारत स्वाधीन हो गया । (ভারত সওয়াধীন হো গয়া।)—ভারত স্বাধীন হয়ে গেছে।

এখানে প্রথম বাক্যে রামের খাওয়া কাজটি কালই শেষ হয়েছে বোঝা যাচ্ছে। দ্বিতীয় বাক্যে ভারত আগেই স্বাধীন হয়ে গেছে বোঝাচ্ছে। অতএব বাক্যগুলি ভূত কাল বা অতীত কাল।

हिन्दी में भूत काल को छः वर्ग में बांटा हुआ ! (হিন্দী মে ভূত কাল কো ছহ ওয়রগ মে বাঁটা হুয়া।)—হিন্দীতে ভূত কালকে ছয়টি শ্রেণীতে ভাগ করা হয়েছে। যেমন— ১. সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)—সামান্য অতীত কাল। ২. আসন্ন ভূত কাল (আসন্ন ভূত

কাল)—আসন্ন অতীত কাল। ৩. পূর্ণ ভূত কাল (পূর্ণ ভূত কাল)—পূর্ণ অতীত। ৪. সন্দিগ্ধ ভূত কাল (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)—সন্দিগ্ধ অতীত কাল।

৫. তাত্কালিক ভূত কাল (তাৎকালিক ভূত কাল)—ঘটমান অতীত কাল। হেতু হেতুমদ ভূত কাল (হেতু হেতুমদ ভূত কাল)—শর্তসাপেক্ষ অতীত কাল।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)—যে ক্রিয়ার দ্বারা কর্তার যাবার ধারণা জন্মে, তাকে সামান্য ভূত কাল বলে। যেমন—

वह चला (ওয়হ চলা)—সে চলল। हम चले (হম চলে)—আমরা যাই।

तुम चले (তুম চলে)—তুমি চললে। मैं जाता (মায় জাতা)—আমি যাই।

वै चले (ওয়ে চলে)—তারা চলল।

সামান্য ভূতকালে ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে 'আ' যুক্ত করতে হয়। অর্থাৎ ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'আ' যুক্ত করলে এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ই' যুক্ত করলে, সামান্য ভূত কাল হয়। যেমন—

পুংলিঙ্গ

স্ত্রীলিঙ্গ

बोल+आ = बोला (বলল) बोल+ई = बोली (বলল)

चल+आ = चला (চলল) चल+ई = चली (চলল)

देख+आ = देखा (দেখল) देख+ई = देखी (দেখল)

উপরোক্ত অ-কারান্ত (অ-কারান্তে) ধাতুর সঙ্গে এইভাবে পুংলিঙ্গে—'আ' এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ই' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালের ক্রিয়ায় পরিণত করা হয়।

কিন্তু যে সব ধাতুর সঙ্গে 'আ-কার' যুক্ত থাকে, অর্থাৎ 'আ-কারান্ত' (আ-কারান্তে) ধাতুর সঙ্গে 'থী' বা 'ই' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালে রূপান্তরিত করা হয়।

আসন্ন ভূত কাল (আসন্ন ভূত কাল)

क्रिया के जिस रूपसे उस के पूरा होने का समय निकट में ही संख्या जाता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं । (ক্রিয়াকে জিস রূপসে উস্কে পূরা হোনে কা সময় নিকট মে হী সমখা জাতা হায়, উসে আসন্ন ভূত কাল কহতে হাঁয়।)—ক্রিয়ার যে রূপের দ্বারা কার্য সম্পন্ন হবার সময় খুব নিকটবর্তী জানা যায় বা বোঝা যায়, তাকেই আসন্ন ভূত কাল বলে। যেমন—

मैं खा चुका हूँ । (মায় খা চুকা হুঁ।)—আমি খেয়েছি।

हम खा चुका हैं । (हम् खा चुका हय।)—आमरा खेयेछि।

उपरोक्त वाक्य दूटिद्वारा बोका यय 'खाওয়া' क्रिया चले बा शुरू हते चलेछे। एज्जना एगुलि आमर भूत काल।

पूर्ण भूत काल (पूर्ण भूत काल)

एहि क्रियार वाक्यगुनि अतीत कालेर मतो शोनालोओ प्रकृतपक्षे एहि सब वाक्य पूर्ण भूत कालेर। येमन—

मैं खाया था । (मय्य खाया था।)—आमि खेयेछिलाम।

हम खाये थे । (हम् खाये थे।)—आमरा खेयेछिलाम।

तु खाया था । (तु खाया था।)—तुई खेयेछिस।

उपरोक्त वाक्यगुनि 'खाওয়া' क्रिया शेष हयेछे बोका बाछे। अर्थात् एखाने क्रिया कार्य सम्पूर्ण हयेछे जाना बाछे। एज्जना एगुलि पूर्ण भूत काल।

सन्दिग्ध भूत काल (सन्दिग्ध भूत काल)

जिस भूत काल की क्रिया के होने में, सन्देह हो उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते हैं । (जिस भूतकाल की क्रिया के होने में सन्देह हो, उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते हय।)—ये सकल भूत कालेर क्रियार सन्देह हय, ताके सन्दिग्ध भूत काल बले। येमन—

मैंने देखा होगा । (मय्यने देखा होगा।)—आमि हयतो देखेछिलाम।

हमने देखे होंगे । (हम्ने देखे होंगे।)—आमरा हयतो देखेछिलाम।

उपरोक्त वाक्य दूटिदे देखा क्रिया शेष सन्देह आछे। एज्जना एके बला हय सन्दिग्ध भूत काल।

सन्दिग्ध भूत काले पुलिस्स एकवचने क्रियार सप्ते 'होगा' प्रत्यय युक्त हय एवं पुलिस्स बहुवचने—'होंगे' युक्त हय। त्रीलिस्स उभय वचने क्रियार सप्ते ई' युक्त हय ओ प्रत्यय सप्ते होगी (होगी) होगी (होगी) युक्त हय। येमन—

मैंने देखी होगी । (मय्यने देखी होगी।)—आमि हयतो देखेछिलाम।

हमने देखी होंगी । (हम्ने देखी होंगी।)—आमरा हयतो देखेछिलाम।

तात्कालिक भूत काल (तात्कालिक भूत काल)

जिस क्रिया से यह समझ में आता है कि भूत काल के क्रिया

चल रहा है, उसे तात्कालिक भूत काल कहते हैं । (जिस क्रिया से इयत् समय में आता हय कि भूत काल के क्रिया चल रहा हय, उसे तात्कालिक भूत काल कहते हय।)—ये क्रियार द्वारा एहि बोका यय ये, भूत कालेर क्रिया चलछे, ताके तात्कालिक भूत काल बले। येमन—

मैं खा रहा था । (मय्य खा रहा था।)—आमि खाछिलाम।

हम खा रहे थे । (हम् खा रहे थे।)—आमरा खाछिलाम।

उपरोक्त वाक्य दूटिदे 'खाওয়া' क्रिया चले बाछे बोका बाछे, एज्जना एके तात्कालिक भूत काल बला हय।

तात्कालिक भूत काले क्रियार सप्ते पुलिस्स एकवचने था' (था) ओ बहुवचने थे' (थे) युक्त करे एवं साहायकारी क्रियार सप्ते रहा' (रहा) 'रहे', (रहे) युक्त करते हय।

त्रीलिस्स एकवचने साहायकारी क्रियार सप्ते ई' (ई) ओ थी' (थी), ओ बहुवचने साहायकारी क्रियार सप्ते ई' (ई) ओ थीं (थीं) युक्त करे तात्कालिक भूत काल करा हय। येमन—

मैं खा रही थी । (मय्य खा रही थी।)—आमि खाछिलाम।

हम खा रही थीं । (हम् खा रही थीं।)—आमरा खाछिलाम।

हेतु हेतुमद भूत काल (हेतु हेतुमद भूत काल)

जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते हैं । (जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते हय।)—ये समस्त भूत कालेर क्रिया सम्पन्न हवार जना अपर क्रियार उपर निर्भर करे, ताके हेतु हेतुमद भूत काल बले। येमन—

यदि मैं खेलता । (इयदि मय्य खेलता।)—यदि आमि खेलताम।

यदि हम खेलते । (इयदि हम् खेलते।)—यदि आमरा खेलताम।

त्रीलिस्स एहि क्रियार रूप हय निम्नरूप—

यदि मैं खेलती । (इयदि मय्य खेलती।)—यदि आमि खेलताम।

यदि हम खेलती । (इयदि हम् खेलती।)—यदि आमरा खेलताम।

উপরোক্ত বাক্যগুলিতে ক্রিয়া সম্পূর্ণ হয় নাই অন্য কোনও ক্রিয়ার অপেক্ষায় আছে। সেজন্য একে হেতু হেতুভূত কাল বলে। বাক্যগুলি লক্ষ্য করলে দেখা যাবে এই ক্রিয়ার পুংলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'আ' (আ) এবং বহুবচনে 'এ' (এ) যুক্ত হয়েছে। আবার স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে 'তী' (তী) ও বহুবচনে 'তী' (তী)—যুক্ত হয়েছে।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—মैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक सेब खाया। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক সেব খায়া।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे, बहुत, सेबों खाये। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত সেবোঁ খায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक सेब खायी। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক সেব খায়ী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছি বা খেয়েছিল।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत सेबों खाया है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত সেবোঁ খায়ী হায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছি বা খেয়েছিল।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक खाया है। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হায়ে।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে হায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছিল।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक फल खायी है। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী হায়ে।)—আমি, তুই,

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाया है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়া হায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছিল।

পূর্ণ ভূত কাল (পূর্ণ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक फल खाया था। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া থা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছিল বা খেয়েছি।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये थे। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে থে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছিলাম বা খেয়েছিলেন।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक फल खायी थी। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী থী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खायी थीं। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী থী।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

সন্দিগ্ধ ভূত কাল (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया होगा। (মায়নে, তুনে, তুমনে, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হোগা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হয়তো খেয়েছি বা খেয়েছিল।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये होंगे। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ে হোগে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल

মুন্না রাজ

শ্যামনগর/হরিনগর

মোবা: ০১৯৫০১১৯৫৪৭

মেইল: munnaraj494@gmail.com

fbook: /munnaraj

.munnaraj494@gmail.com

password:munna

যারা যেন সবুকে অনুবোধ করবে
তাদের জন্য ডাউনলোড লিংক দেওয়া হবে

আমার কাছে HSC এর বিজ্ঞান বিভাগ

এর সকল ইবুক ও ভিডিও টিউটোরিয়াল আছে।

আর BCS/ব্যাংক/ভর্তি পরিক্ষার জন্য আছে অসংখ্য

ইবুক। এছাড়া মহাভারত সহ বিভিন্ন কবিতার ইবুক আছে।

ধাধা, গল্পের বই, গ্রামার, বিভিন্ন ভাষা শিক্ষা, ইলেক্ট্রনিক শিখ

এর অফুরান্ত ইবুক আছে।